

وَلَوْ أَنَّنَا نَزَّلْنَا إِلَيْهِمُ الْمَلَكَةَ وَكَلَّمَهُمُ الْمَوْتَىٰ

और अगर हम उन की तरफ़ इरिशते उतारते और उन से मुर्दे कलाम करते

وَ حَشَرْنَا عَلَيْهِمْ كُلَّ شَيْءٍ قُبُلًا مَا كَانُوا لِيُؤْمِنُوا

और हम उन पर हर चीज़ को धकड़ा कर देते आमने सामने तब भी वो ईमान न लाते

إِلَّا أَنْ يَشَاءَ اللَّهُ وَلَكِنَّ أَكْثَرَهُمْ يَجْهَلُونَ ﴿۸﴾

मगर ये के अल्लाह याहे. लेकिन उन में से अकसर जहालत की भाते करते हैं.

وَ كَذَلِكَ جَعَلْنَا لِكُلِّ نَبِيٍّ عَدُوًّا شَيْطِينِ الْإِنْسِ

और इसी तरह हम ने हर नबी के लिये ई-सानों और जिन्नात में से शयातीन को दुशमन बनाया है,

وَالْجِنَّ يُوحِي بَعْضُهُمْ إِلَىٰ بَعْضٍ زُخْرَفَ الْقَوْلِ

उन में से अक दूसरे को मुजय्यन भात की धोका देने के लिये जबर देते हैं. और अगर तेरा रब याहता,

عُرُورًا وَلَوْ شَاءَ رَبُّكَ مَا فَعَلُوهُ فَذَرْهُمْ وَمَا يَفْتَرُونَ ﴿۹﴾

तो वो ऐसा न करते, इस लिये आप उन को छोड दीजिये और उस चीज़ को जिस को वो जुह घड रहे हैं.

وَلِتَصْغَىٰ إِلَيْهِ أَفْئِدَةُ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ

और इस लिये ताके उस की तरफ़ माधल हो जाअें उन लोगों के दिल जो आभिरत पर ईमान नही रभते

وَلِيُرِضُوهُ وَلِيَقْتَرِفُوا مَا هُمْ مُّقْتَرِفُونَ ﴿۱۰﴾ أَفَعَبَّرَ

और इस लिये ताके वो उस को पसन्द करे, और ताके वो करते रहे वो भुरे काम जो वो कर रहे हैं. क्या फिर

اللَّهُ أَبْتَغَىٰ حَكْمًا وَهُوَ الَّذِي أَنْزَلَ إِلَيْكُمُ

अल्लाह के अलावा को मैं उकम के तौर पर तलाश करूं डालांके उसी ने तुम्हारी तरफ़

الْكِتَابِ مُفَصَّلًا وَالَّذِينَ آتَيْنَهُمُ الْكِتَابَ

किताब तफ़सील से उतारी है. और वो लोग जिन को हम ने किताब दी

يَعْلَمُونَ أَنَّهُ مُنَزَّلٌ مِّن رَّبِّكَ بِالْحَقِّ فَلَا تَكُونَنَّ

वो जानते हैं के ये तुम्हारे रब की तरफ़ से उक के साथ नाजिल की गध है, इस लिये आप शक

مِنَ الْمُسْتَبْرِينَ ﴿۱۱﴾ وَتَمَّتْ كَلِمَتُ رَبِّكَ صِدْقًا

करने वालों में से न हो. और आप के रब के कलिमात सख्याई और ई-साफ़ में ताम

وَعَدْلًا لَا مُبَدَّلَ لِكَلِمَتِهِ ۗ وَهُوَ السَّمِيعُ

हैं. उस के कलिमात को कोई बदलने वाला नही. और वो सुनने वाला,

الْعَلِيمِ ﴿١١٥﴾ وَإِنْ تَطِعْ أَكْثَرَ مَنْ فِي الْأَرْضِ

ईल्म वाला है. और अगर आप उन में से अकसर का केडना मान लोगे जो जमीन में हैं

يُضِلُّوكَ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ إِنْ يَتَّبِعُونَ إِلَّا الظَّنَّ

तो वो आप को अल्लाह के रास्ते से गुमराह कर देंगे. वो तो सिर्फ गुमान के पीछे चलते हैं

وَإِنْ هُمْ إِلَّا يَخْرُصُونَ ﴿١١٦﴾ إِنَّ رَبَّكَ هُوَ أَعْلَمُ مَنْ

और वो सिर्फ अटकल से भातें करते हैं. यकीनन आप का रब वो भूष जानता है उस शप्स को

يَضِلُّ عَنْ سَبِيلِهِ ۗ وَهُوَ أَعْلَمُ بِالْمُهْتَدِينَ ﴿١١٧﴾

जो अल्लाह के रास्ते से भटक गया. और वो डिहायतयाइता लोगों को भी भूष जानता है.

فَكُلُوا مِمَّا ذُكِرَ اسْمُ اللَّهِ عَلَيْهِ إِنْ كُنْتُمْ بِآيَاتِهِ

फिर तुम जाओ उस में से जिस पर अल्लाह का नाम लिया गया हो अगर तुम अल्लाह की आयतों पर

مُؤْمِنِينَ ﴿١١٨﴾ وَمَا لَكُمْ أَلَّا تَأْكُلُوا مِمَّا ذُكِرَ اسْمُ

ईमान रभते हो. और तुम्हें क्या हुवा के तुम न जाओ उस में से जिस पर अल्लाह का नाम लिया गया हो,

اللَّهِ عَلَيْهِ وَقَدْ فَصَّلَ لَكُمْ مَا حَرَّمَ عَلَيْكُمْ

डालांके उस ने तुम्हारे लिये तफ्सील से भयान कर दिया है उस को जो उस ने तुम पर हराम किया है

إِلَّا مَا اضْطُرَّرْتُمْ إِلَيْهِ ۗ وَإِنَّ كَثِيرًا لَيُضِلُّونَ بِأَهْوَاءِهِمْ

मगर वो जिस की तरफ तुम मजबूर हो जाओ. और यकीनन भडोत से लोग अपनी प्वाडिशत के अरिये

بِغَيْرِ عِلْمٍ ۗ إِنَّ رَبَّكَ هُوَ أَعْلَمُ بِالْمُعْتَدِينَ ﴿١١٩﴾

भगैर ईल्म के गुमराह करते हैं. यकीनन आप का रब वो डह से तजावुज करने वालों को भूष जानता है.

وَذَرُوا ظَاهِرَ الْإِثْمِ وَبَاطِنَهُ ۗ إِنَّ الَّذِينَ يَكْسِبُونَ

और आडिरी गुनाह और भातिनी गुनाह छोड दो. यकीनन वो लोग जो गुनाह कमाते

الْإِثْمَ سَيَجْزُونَ بِمَا كَانُوا يَفْقَرُونَ ﴿١٢٠﴾ وَلَا تَأْكُلُوا

हैं, अ-करीभ उन्हे उन के करतूत की सजा दी जाओगी. और तुम मत जाओ

مِمَّا لَمْ يُذَكَّرْ اسْمُ اللَّهِ عَلَيْهِ وَإِنَّهُ لَفِسْقٌ ۗ

उस में से जिस पर अल्लाह का नाम न लिया गया हो और यकीनन ये नाइरमानी है.

وَإِنَّ الشَّيْطَانَ لَيُوحُونَ إِلَىٰ أَوْلِيَٰهِمْ لِيُجَادِلُوكُمْ ۗ وَإِنْ

और यकीनन शयातीन अपने दोस्तों की तरफ वडी करते हैं ताके वो तुम से जघडे. और अगर

أَطَعْتُوهُمْ إِنَّكُمْ لَشُرُكُونَ ﴿۱۲۱﴾ أَوْ مَنْ كَانَ مَيِّتًا

तुम उन का केटना मान लोगे तो यकीनन तुम भी मुशरिक हो जाओगे. क्या वो शम्स जो मुर्दा था

فَأَحْيَيْنَاهُ وَجَعَلْنَا لَهُ نُورًا يَمْشِي بِهِ فِي النَّاسِ

फिर हम ने उसे जिन्दा किया और हम ने उस के लिये नूर बनाया जिस को ले कर वो धन्सानों में चलता है,

كَمَنْ مَثَلُهُ فِي الظُّلُمَاتِ لَيْسَ بِخَارِجٍ مِّنْهَا ۗ

उस के मानिन्द हो सकता है जिस का डाल तारीकियों में है, जिस से वो निकलने वाला नहीं है.

كَذَلِكَ زُيِّنَ لِلْكَافِرِينَ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۲۲﴾ وَكَذَلِكَ

धसी तरह काफ़िरो के लिये मुजय्यन किये गये वो अमल जो वो करते हैं. और धसी तरह

جَعَلْنَا فِي كُلِّ قَرْيَةٍ أَكْبَرًا مُّجْرِمِيهَا لِيَمْكُرُوا فِيهَا ۗ

हम ने हर बस्ती में वहां के बडे मुजरिमों को बनाया ताके वो उस में मक्कारी करें.

وَمَا يَمْكُرُونَ إِلَّا بِأَنْفُسِهِمْ وَمَا يَشْعُرُونَ ﴿۱۲۳﴾

और वो मक्कारी नहीं करते मगर अपनी ही जान के साथ और उन्हे पता नहीं. और जब उन के पास कोई

وَإِذَا جَاءَتْهُمْ آيَةٌ قَالُوا لَنْ نُؤْمِنَ حَتَّى نُؤْتَىٰ مِثْلَ

भोअजिजा आता है तो वो केहते हैं के हम हरगिज धमान नहीं लायेंगे जब तक हमें उस के जैसा

مَا أُوتِيَ رَسُولُ اللَّهِ ۗ اللَّهُ أَعْلَمُ حَيْثُ يَجْعَلُ رِسَالَتَهُ ۗ

(भोअजिजा) न दिया जाये जो अद्लाह के दूसरे पैगम्बरों को दिया गया. अद्लाह भूष जानता है उस

سَيُصِيبُ الَّذِينَ أَجْرَمُوا صَغَارٌ عِنْدَ اللَّهِ وَآدَابٌ

जगा को जहां वो अपने पैगाम को रभता है. अनकरीब मुजरिमों को जिल्लत पडोयेगी अद्लाह के पास और

شَدِيدٌ ۗ بِمَا كَانُوا يَمْكُرُونَ ﴿۱۲۴﴾ فَمَنْ يُرِدِ اللَّهُ

सप्त अजाब पडोयेगा धस वजह से के वो मक्कारी करते हैं. फिर वो शम्स जिस को छिदायत देने का अद्लाह

أَنْ يَهْدِيَهُ يَشْرَحْ صَدْرَهُ لِلْإِسْلَامِ ۗ وَمَنْ يُرِدْ

धरादा करे तो अद्लाह उस का सीना धस्लाम के लिये भोल देते हैं. और जिस के गुमराह करने का अद्लाह धरादा

أَنْ يُضِلَّهُ يَجْعَلْ صَدْرَهُ ضَيِّقًا حَرَجًا كَانْتَبَا يَصْعَدُ

करते हैं उस का सीना तंग कर देते हैं, बडोत जयादा तंग, गोया के वो आस्मान में

فِي السَّمَاءِ ۗ كَذَلِكَ يَجْعَلُ اللَّهُ الرِّجْسَ عَلَى الَّذِينَ

यण्ड रहा है. धसी तरह अद्लाह गन्दगी डालते हैं उन लोगों पर

لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۱۱۵﴾ وَ هَذَا صِرَاطٌ رَبِّكَ مُسْتَقِيمًا ۖ قَدْ

جو ایمان نہی لاتے۔ اور یہ تیرے رب کا راستا سیدھا ہے۔ یقیناً

فَصَلْنَا الْآيَاتِ لِقَوْمٍ يَّذْكُرُونَ ﴿۱۱۶﴾ لَهُمْ دَارُ السَّلَامِ

ہم نے آیات کو تفسیر سے بیان کیا اسی قوم کے لیے جو نہی بدت کا سیر کر رہی ہے۔ ان کے لیے

عِنْدَ رَبِّهِمْ وَهُوَ وَلِيُّهُمْ بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۱۷﴾ وَيَوْمَ

دارالسلام ہے ان کے رب کے پاس اور وہ ان کا کارساز ہے ان اعمال کی وجہ سے جو وہ کر رہے ہیں۔

يَحْشُرُهُمْ جَبِيَّعًا ۚ يَمَعَشَرَ الْجِنِّ قَدْ اسْتَكْثَرْتُمْ

اور جس دن اعلان ان تمام کو کھڑا کرے گا، (تو کہے گا کہ) اے جینات کی جماعت! تم بخلت لیا

مِّنَ الْإِنْسِ ۗ وَقَالَ أَوْلِيَّتُهُم مِّنَ الْإِنْسِ رَبَّنَا

انسانوں کو تلوں کر چکے۔ اور ان کے دوست انسانوں میں سے کھڑے اے ہمارے رب!

اسْتَمْتَعَ بَعْضُنَا بِبَعْضٍ ۗ وَ بَلَّغْنَا آجَلَنَا الَّذِي

ہم میں سے ایک نے دوسرے سے کھڑا اٹھایا اور ہم پہنچ گئے ہمارے مقرر کی ہونے والی مدت تک

أَجَلَتْ لَنَا ۗ قَالَ النَّارُ مَثْوَاكُمْ خَالِدِينَ فِيهَا

جو تو نے ہمارے لیے مقرر کی تھی۔ اعلان فرمائے کہ ہرگز تمہارا ٹھکانا ہے، اس میں ہمیشہ رہو گے،

إِلَّا مَا شَاءَ اللَّهُ ۗ إِنَّ رَبَّكَ حَكِيمٌ عَلِيمٌ ﴿۱۱۸﴾ وَكَذَلِكَ

مگر جتنا اعلان آیا ہے۔ یقیناً تیرا رب حکمت والا، علم والا ہے۔ اور اسی طرح

نُورِي بَعْضَ الظَّالِمِينَ بَعْضًا بِمَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ﴿۱۱۹﴾

ہم ظالموں میں سے ایک کو دوسرے پر مسلط کرتے ہیں ان اعمال کی وجہ سے جو وہ کرتے ہیں۔

يَمَعَشَرَ الْجِنِّ وَالْإِنْسِ أَلَمْ يَأْتِكُمْ رُسُلٌ مِّنكُمْ

اے جینات اور انسانوں کی جماعت! کیا تمہارے پاس تم میں سے پیغمبر نہی آئے

يَقْضُونَ عَلَيْكُمْ آيَاتِي وَيُزِدُونَكُمْ لِقَاءَ يَوْمِكُمْ

جو تم پر میری آیات لیا کرتے اور جو تمہیں اس تمہارے دن کے ملنے سے دلاتے تھے؟

هَذَا ۗ قَالُوا شَهِدْنَا عَلَىٰ أَنْفُسِنَا وَعَظَّمْتَهُمُ الْحَيَاةَ

تو انہوں نے کہا کہ ہم نے ہماری جانوں کے پھیلنے گواہی دی اور ان کو دنیاوی زندگی نے

الدُّنْيَا وَشَهِدُوا عَلَىٰ أَنْفُسِهِمْ أَنَّهُمْ كَانُوا

دوڑے میں لے رہے اور انہوں نے اپنی جانوں کے پھیلنے گواہی دی کہ وہ

كُفْرِينَ ﴿۱۳۰﴾ ذَلِكَ أَنْ لَمْ يَكُنْ رَبُّكَ مُهْلِكَ الْقُرَىٰ

काफ़िर थे. ये इस वजह से के तेरा रब बस्तियों को उलाक नहीं करता

بِظُلْمٍ وَأَهْلَهَا غُفْلُونَ ﴿۱۳۱﴾ وَلِكُلِّ دَرَجَةٍ

जुल्म से इस डाल में के वहां वाले गाइल हों. और हर अक के लिये उन के आमाक के मुताबिक

مَّمَّا عَمِلُوا ۖ وَمَا رَبُّكَ بِغَافِلٍ عَمَّا يَعْمَلُونَ ﴿۱۳۲﴾ وَرَبُّكَ

दरजात हैं. और तेरा रब बेभबर नहीं है उन कामों से जो वो कर रहे हैं. और तेरा रब

الْغَنَىٰ ذُو الرَّحْمَةِ ۗ إِنَّ يَشَأْ يُذْهِبْكُمْ وَيَسْتَخْلِفَ

बेनियाज है, रहमत वाला है. अगर वो चाहे तो तुम्हें उलाक कर दे और तुम्हारे

مَنْ بَعْدَكُمْ مَّا يَشَاءُ ۚ كَمَا أَنْشَأَكُمْ مِّنْ ذُرِّيَّةٍ

बाद जानशीन बनाये जिसे चाहे जैसा के तुम्हें दूसरी कौम की जुररीयत में से पैदा किया.

قَوْمٍ آخَرِينَ ﴿۱۳۳﴾ إِنَّ مَا تُوْعَدُونَ لَآتٍ ۖ وَمَا أَنْتُمْ

यकीनन जिस का तुम से वादा किया जा रहा है वो जरूर आने वाला है. और तुम भाग कर अल्लाह को

بِمُعْجِزِينَ ﴿۱۳۴﴾ قُلْ يَقَوْمِ اعْمَلُوا عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ

आजिज नहीं कर सकते. आप इरमा दीजिये अ मेरी कौम! तुम अपनी जगह पर रहे कर अमल करते रहो,

إِنِّي عَامِلٌ ۚ فَسَوْفَ تَعْلَمُونَ ۖ مَن تَكُونُ لَهُ عَاقِبَةُ

यकीनन में भी अमल कर रहा हूं. अनकरीब तुम्हें मालूम हो जायेगा के किस के लिये आभिरत का

الدَّارِ ۗ إِنَّهُ لَا يُفْلِحُ الظَّالِمُونَ ﴿۱۳۵﴾ وَجَعَلُوا لِلَّهِ

घर है. यकीनन जालिम लोग इलाह नहीं पायेंगे. और उनहों ने अल्लाह के लिये डिस्सा मुकरर

مِمَّا ذَرَأَ مِنَ الْحَرْثِ وَالْأَنْعَامِ نَصِيبًا فَقَالُوا هَذَا

किया उस भेती में से और यौपाओं में से जिस को अल्लाह ने पैदा किया, फिर उनहों ने अपने जअम के

لِلَّهِ بِزَعْمِهِمْ ۗ وَهَذَا لِشُرَكَائِنَا ۗ فَمَا كَانَ لِشُرَكَائِهِمْ

मुताबिक कडा के ये अल्लाह का डिस्सा है और ये हमारे शुरका का डिस्सा है. फिर जो उन के शुरका

فَلَا يَصِلُ إِلَى اللَّهِ ۗ وَمَا كَانَ لِلَّهِ فَهُوَ يَصِلُ

का डिस्सा है वो अल्लाह को नहीं पडोयता. और जो अल्लाह का डिस्सा है वो उन के शुरका को

إِلَىٰ شُرَكَائِهِمْ ۗ سَاءَ مَا يَحْكُمُونَ ﴿۱۳۶﴾ وَكَذَلِكَ زَيَّنَ لِكَثِيرٍ

पडोय जाता है. भुरे हैं वो इसले जो वो कर रहे हैं. और इसी तरह मुशरिकीन में से बडोत

مِّنَ الْمُشْرِكِينَ قَتَلَ أَوْلَادِهِمْ شُرَكَاءُهُمْ لِيُرِدُّوهُمْ

सों के लिये उन के शुरका ने उन की औलाद का कत्ल मुजय्यन किया ताके वो उन्हे उलाक कर दें और

وَلِيَلْبِسُوا عَلَيْهِمْ دِينَهُمْ ط وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ مَا فَعَلُوهُ

ताके उन पर उन के दीन को मुस्तबिस कर दें. और अगर अल्लाह याउता तो वो औसा न करते, ँस लिये

فَذَرَّهُمْ وَمَا يَفْتَرُونَ ﴿١٣٢﴾ وَقَالُوا هَذِهِ أَنْعَامٌ

आप छोड दीजिये उन को और उन चीजों को जिस को वो जूठ घड रहे हैं. और उन्हों ने कडा के ये यौपाअे हैं

وَحَرْتُ حَجْرٌ لَا يَطْعُهَا إِلَّا مَنْ تَشَاءُ بِزَعْمِهِمْ

और ये भेतियां हैं जो ममनूम हैं उस को नहीं जा सकता मगर वही जो उम याउे उन के अम के मुताबिक और ये

وَأَنْعَامٌ حُرِّمَتْ ظُهُورُهَا وَأَنْعَامٌ لَا يَذْكُرُونَ

यौपाअे हैं के जिन की पुशत (उन की सवारी) उराम है और ये यौपाअे जिन पर वो लोग

اسْمَ اللَّهِ عَلَيْهَا افْتِرَاءً عَلَيْهِ ط سَيَجْزِيهِمْ

अल्लाह का नाम नहीं लेते, उस पर जूठ घडते हुवे. अनकरीब अल्लाह उन को सजा देगा

بِمَا كَانُوا يَفْتَرُونَ ﴿١٣٣﴾ وَقَالُوا مَا فِي بُطُونِ هَذِهِ

उन के जूठ घडने की. और उन्हों ने कडा के जो उन यौपाअों के पेटों में

الْأَنْعَامِ خَالِصَةٌ لِّذُكُورِنَا وَ مُحَرَّمٌ عَلَىٰ أَرْوَاجِنَا ۚ

है वो जालिस उमारे मरहों के लिये है और उमारी भीवियों पर उराम है.

وَإِنْ يَكُنْ مَيِّتَةً فِيهِ شُرَكَاءُ ط سَيَجْزِيهِمْ

और अगर वो (जनीन) मुद्दा हो तो वो सब उस में शरीक होंगे. अनकरीब अल्लाह उन को उन के

وَصَفَّهُمْ ط إِنَّهُ حَكِيمٌ عَلِيمٌ ﴿١٣٤﴾ قَدْ خَسِرَ الَّذِينَ

भयान की सजा देगा. यकीनन वो डिक्मत वाला, ँल्म वाला है. यकीनन नुकसान उठाया उन लोगों ने

قَتَلُوا أَوْلَادَهُمْ سَفَهًا بِغَيْرِ عِلْمٍ وَ حَرَّمُوا

जिन्हों ने अपनी औलाद को कत्ल किया डिमाकत से ँल्म न होने की वजह से और उन्हों ने उराम की वो

مَا رَزَقَهُمُ اللَّهُ افْتِرَاءً عَلَى اللَّهِ قَدْ ضَلُّوا وَمَا كَانُوا

शीजे अल्लाह ने उन को रोजी के तौर पर दी अल्लाह पर जूठ घडते हुवे. यकीनन वो गुमराह हो गअे और

مُهْتَدِينَ ﴿١٣٥﴾ وَهُوَ الَّذِي أَنْشَأَ جَنَّاتٍ مَّعْرُوسَاتٍ

उन्हों ने डिदायत नहीं पाई. और वही अल्लाह है जिस ने बेलों वाले और जिस ने बेलों के अलावा के

وَ غَيْرَ مَعْرُوشَةٍ وَ النَّخْلَ وَ الزَّرْعَ مُخْتَلِفًا أَكْلُهُ

(तने वाले दरभतों के) बागात बनाये और उस ने भजूर और भेती को बनाया जिन के फल भुक्तलिङ्ग होते हैं (मजे और शकल

وَ الرِّبِّيُونَ وَ الرَّقَّانَ مُتَشَابِهًا وَ غَيْرَ مُتَشَابِهٍ ۝

में) और जिस ने जैतून और अनार को बनाया के कुछ उन में से एक दूसरे के मुशाबेह है और कुछ एक दूसरे के मुशाबेह नहीं

كُلُوا مِنْ ثَمَرِهِ إِذَا أَثْمَرَ وَ آتُوا حَقَّهُ يَوْمَ حَصَادِهِ ۝

हैं. तो तुम उस के फल में से खाओ जब वो फल लाये और तुम उस का उस की भेती काटने के दिन उक अदा करो.

وَ لَا تَسْرِفُوا ۝ إِنَّهُ لَا يُحِبُّ الْمُسْرِفِينَ ۝

और तुम धरसाई मत करो. यकीनन अल्लाह धरसाई करने वालों से मडुबत नहीं करते. और उस ने

وَ مِنَ الْإِنْعَامِ حَمُولَةٌ وَ فَرَشَاءٌ كُلُوا مِمَّا رَزَقَكُمُ اللَّهُ

चौपाओ में से कुछ जानवर बनाये भोज उठाने वाले और कुछ छोटे चौपाये बनाये. तो तुम खाओ उस में

وَ لَا تَتَّبِعُوا خُطُوتِ الشَّيْطَانِ ۝ إِنَّهُ لَكُمْ عَدُوٌّ مُبِينٌ ۝

से जो अल्लाह ने तुम को रोजी के तौर पर दिये और तुम शयतान के कदम बकदम मत यलो. यकीनन वो तुम्हारा

ثَمَانِيَةَ أَزْوَاجٍ ۚ مِنَ الضَّأْنِ اثْنَيْنِ وَ مِنَ الْمَعْزِ

भुला दुश्मन है. उस ने आठ किस्में पैदा की. भेणों में से दो दो और बकरियों में से

اِثْنَيْنِ ۝ قُلْ ۙ الذَّكْرَيْنِ حَرَّمَ أُمَّ الْاُنثِيَيْنِ

दो दो. आप इरमा दीजिये क्या दोनों मुजकर उस ने डराम किये या दोनों मादाओं

أَمَّا اشْتَمَلَتْ عَلَيْهِ أَرْحَامُ الْاُنثِيَيْنِ ۝ نَبِّئُونِي بِعِلْمٍ

या जिस को दोनों मादाओं की बर्यादानियां मडकूज किये हुवे हैं? तुम मुजे भबर दो दलील से

إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ۝ وَ مِنَ الْاِبِلِ اِثْنَيْنِ

अगर तुम सख्ये हो. और उस ने गीट में से पैदा किये दो दो

وَ مِنَ الْبَقَرِ اِثْنَيْنِ ۝ قُلْ ۙ الذَّكْرَيْنِ حَرَّمَ أُمَّ الْاُنثِيَيْنِ

और गाय में से दो दो. आप इरमा दीजिये क्या दोनों नर डराम किये या दोनों मादाओं डराम की

أَمَّا اشْتَمَلَتْ عَلَيْهِ أَرْحَامُ الْاُنثِيَيْنِ ۝ أَمْ كُنْتُمْ

या उस को जिस को दोनों मादाओं की बर्यादानी मडकूज किये हुवे हैं? क्या तुम

شُهَدَاءَ ۙ إِذْ وَضَعَكُمُ اللَّهُ فِي بَهْدَاهُ ۙ فَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنْ

मौजूद थे जब तुम्हें अल्लाह ने उस का हुकम दिया? फिर उस से जयादा जालिम कौन होगा जो

اَفْتَرَىٰ عَلَىٰ اللّٰهِ كَذِبًا لَّيُّضِلَّ النَّاسَ بِغَيْرِ عِلْمٍ

अल्लाह पर जूठ घडे ताके वो ई-सानों को बगैर तडकीक के गुमराह करे?

إِنَّ اللّٰهَ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظّٰلِمِينَ ﴿۱۳﴾ قُلْ لَا اِجْدُ

यकीनन अल्लाह अलिम कौम को डिहायत नही देते. आप इरमा दीजिये के मैं तो नही पाता

فِي مَا اَوْحَىٰ اِلَىٰ مُحَمَّدًا عَلٰى طَاعِمٍ يَّطْعُمُهٗ اِلَّا

उस में जो मेरी तरफ़ वही किया जा रहा है कोई उराम थीक किसी भाने वाले पर जिस को वो भाखे सिवाखे ईस के

اَنْ يَّكُوْنَ مَيْتَةً اَوْ دَمًا مَّسْفُوحًا اَوْ لَحْمَ خِنْزِيرٍ فَانْتَهُ

के वो मुर्दार हो या भेडता हुवा भून हो या भिन्नीर का गोशत हो, फिर वो यकीनन सरापा ग-हगी है, या नाइरमानी

رَجْسٌ اَوْ فِسْقًا اٰهْلًا لِغَيْرِ اللّٰهِ بِهٖ ۚ وَفَمِنْ اضْطَّرَّ غَيْرِ

का जरिया हो के उस पर गयरुल्लाह का नाम दिया गया हो. फिर जो मजबूर हो जाखे ईस डाल में के वो लजजत को तलाश

بِابٍ وَّلَا عَادٍ فَاِنَّ رَبَّكَ غَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ ﴿۱۴﴾ وَعَلَى الَّذِيْنَ

करने वाला न हो और जान भयाने की भिकदार से तजवुअ करने वाला न हो तो यकीनन तेरा परवरदिगार भज्शने वाला, निहायत

هَادُوًا حَرَمْنَا كُلَّ ذِي ظُفْرِ ۚ وَمِنَ الْبَقْرِ وَالْغَنَمِ

रहम वाला है. और यडूदियों पर उम ने उर नाभुन वाले जानवर को उराम किया था. और गाय और बकरी मेंसे उम ने उन पर

حَرَمْنَا عَلَيْهِمْ شَحُوْمَهُمْ اِلَّا مَا حَمَلَتْ ظُهُورُهُمْ

उराम किया था उन की यरभियों को मगर वो यरभी जिस को उन की पीठ उठाखे हुवे हो या आंतें

اَوْ الْحَوَايَا اَوْ مَا اخْتَلَطَ بِعَظْمٍ ذٰلِكَ جَزِيْنُهُمْ بِغَيْرِهِمْ

जिस को उठाखे हुवे हों या जो डडियों के साथ मिली हुई हो. ये उम ने उन को उन की सरकशी की वजह से

وَاِنَّا لَصٰدِقُوْنَ ﴿۱۵﴾ فَاِنَّ كَذِبُوكَ فَقُلْ رَبُّكُمْ ذُو

सज्ज दी. और यकीनन उम सख्ये है. फिर अगर वो आप को जूठलाखे तो आप इरमा दीजिये तुम्हारा रब

رَحْمَةٍ وَّاسِعَةٍ ۚ وَلَا يُرَدُّ بَاسُهُ عَنِ الْقَوْمِ

वसीअ रहमत वाला है. और उस का अजाब मुजरिम कौम से लौटाया नही

الْمُجْرِمِيْنَ ﴿۱۶﴾ سَيَقُوْلُ الَّذِيْنَ اَشْرَكُوْا لَوْ شَاءَ

जाओगा. अनकरीब मुशरिक लोग कहेंगे के अगर अल्लाह

اللّٰهُ مَا اَشْرَكْنَا وَلَا اٰبَاؤُنَا وَلَا حَرَمْنَا مِنْ شَيْءٍ

चाडता तो न उम और न उमारे बाप दादा शिक करते और न उम कोई थीक उराम करते.



كَذَلِكَ كَذَبَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ حَتَّىٰ ذَاقُوا

ईसी तरह जुठलाया उन लोगों ने जो उन से पहले थे यहां तक के उनहों ने हमारा अजाब

بِأَسْنَاءٍ قُلْ هَلْ عِنْدَكُمْ مِنْ عِلْمٍ فَتُخْرِجُوهُ لَنَا ۗ

यभा. आप इरमा दीजिये तुम्हारे पास क्या दलील है, तो तुम उसे हमारे सामने निकालो.

إِنْ تَتَّبِعُونَ إِلَّا الظَّنَّ وَإِنْ أَنْتُمْ إِلَّا تَخْرُصُونَ ﴿١٣٧﴾

तुम तो सिर्फ गुमान के पीछे चलते हो और तुम तो सिर्फ अटकल से बातें करते हो.

قُلْ فَلِلَّهِ الْحُجَّةُ الْبَالِغَةُ ۖ فَلَوْ شَاءَ لَهَدَاكُمْ

आप इरमा दीजिये फिर अल्लाह ही के लिये (दिल तक) पछोचने वाली उज्जत है. फिर अगर अल्लाह

أَجْمَعِينَ ﴿١٣٨﴾ قُلْ هَلَمْ شَهِدْكُمْ الَّذِينَ يَشْهَدُونَ

याहता तो तमाम को छिदायत दे देता. आप इरमा दीजिये के तुम अपने गवाहों को लाओ जो गवाही दें

أَنَّ اللَّهَ حَرَّمَ هَذَا ۖ فَإِنْ شَهِدُوا فَلَا تَشْهَدُ مَعَهُمْ ۗ

ईस की के अल्लाह ने उस को हराम किया है. फिर अगर वो गवाही दें तो आप उन के साथ गवाही न दीजिये.

وَلَا تَتَّبِعْ أَهْوَاءَ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا وَالَّذِينَ

और उन की ज्वाडिशत के पीछे न चलिये जिन्हों ने हमारी आयतों को जुठलाया और जो आभिरत पर

لَا يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ وَهُمْ بِرَبِّهِمْ يَعْدِلُونَ ﴿١٣٩﴾ قُلْ

ईमान नहीं रभते और जो अपने रभ के साथ दूसरे शुरका को बराबर करार देते हैं. आप इरमा दीजिये

تَعَالَوْا أَتْلُ مَا حَرَّمَ رَبِّي عَلَيْكُمْ أَلَّا تُشْرِكُوا بِهِ

के तुम आओ, मैं तिलावत करता हूं वो जो तुम्हारे रभ ने तुम पर हराम किया है, ये है के उस के साथ किसी भी

شَيْئًا وَبِالْوَالِدَيْنِ إِحْسَانًا ۖ وَلَا تَقْتُلُوا أَوْلَادَكُمْ

शीज को शरीक मत ठहराओ और वालिदैन के साथ इरसे सुलूक करो. और अपनी औलाद को इकर की वजह से

مَنْ إِمْلَاقٍ ۖ مَنْ نَرَرْتُمْكُمْ وَإِيَّاهُمْ ۖ وَلَا تَقْرَبُوا

कत्व मत करो. हम तुम्हें भी रोजी देते हैं और उनहें भी. और बेडयाई की चीजों

الْفَوَاحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطْنٌ ۖ وَلَا تَقْتُلُوا

के करीब मत जाओ, उन के जो उस में से जाहिर हैं और जो छुपी हुई हैं. और उस नफस को

النَّفْسَ الَّتِي حَرَّمَ اللَّهُ إِلَّا بِالْحَقِّ ۗ ذَلِكُمْ وَصَّيْتُكُمْ

कत्व मत करो जिस को अल्लाह ने मुडतरम बनाया है, मगर उक की वजह से. उस की अल्लाह तुम्हें ताकीद

بِهِ لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ ﴿۱۵۱﴾ وَلَا تَقْرَبُوا مَالَ الْيَتِيمِ

करता है ताके तुम अकलमन्द् बनो. और यतीम के माल के करीब भी मत जाओ,

إِلَّا بِالَّتِي هِيَ أَحْسَنُ حَتَّىٰ يَبْلُغَ أَشُدَّهُ ۖ وَأَوْفُوا

मगर उस तरीके से जो बेहतर हो यहाँ तक के वो अपनी जवानी को पहुँच जाओ. और नाप और

الْكَيْلَ وَالْمِيزَانَ بِالْقِسْطِ ۗ لَا نُكَلِّفُ نَفْسًا

तोल को ई-साफ़ के साथ पूरा पूरा हो. हम किसी शप्स को मुकद्लफ़ नही बनाते मगर

إِلَّا وُسْعَهَا ۗ وَإِذَا قُلْتُمْ فَاعْدِلُوا وَلَوْ كَانَ ذَا قُرْبَىٰ ۗ

उस की वुस्अत के मुताबिक. और जब बात करो तो ई-साफ़ की बात करो अगरये रिशतेदार कयूं न हों.

وَبِعَهْدِ اللَّهِ أَوْفُوا ۗ ذَلِكُمْ وَصَّكُم بِهِ لَعَلَّكُمْ

और अद्लाह के अहद को पूरा करो. उस की अद्लाह तुम्हें ताकीद करता है ताके तुम

تَذَكَّرُونَ ﴿۱۵۲﴾ وَأَنَّ هَذَا صِرَاطٌ مُّسْتَقِيمًا

नसीहत ढासिल करो. और यकीनन ये मेरा रास्ता सीधा है

فَاتَّبِعُوهُ ۗ وَلَا تَتَّبِعُوا السَّبِيلَ فَتَفْرَقَ بِكُمْ

तो उस पर यलो. और अलग अलग रास्तों पर मत यलो, वरना वो तुम्हें अद्लाह के रास्ते से अलग

عَنْ سَبِيلِهِ ۗ ذَلِكُمْ وَصَّكُم بِهِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴿۱۵۳﴾

कर हेंगे. उस की अद्लाह तुम्हें ताकीद करता है ताके तुम मुत्तकी बनो.

ثُمَّ آتَيْنَا مُوسَىٰ الْكِتَابَ تَمَامًا عَلَىٰ الَّذِي أَحْسَنَ

फ़िर हम ने मूसा (अलैहिससलाम) को मुकम्मल किताब दी जैसे लोगों के लिये जो नेक हें,

وَتَفْصِيلًا لِّكُلِّ شَيْءٍ ۖ وَهُدًى وَرَحْمَةً لِّعَلَّاهُمْ بَلْقَاءِ

और हर चीज़ की तफ़सिल और डिहायत और रहमत ताके वो अपने रब् से मिलने

رَبِّهِمْ يُؤْمِنُونَ ﴿۱۵४﴾ وَ هَذَا كِتَابٌ أَنْزَلْنَاهُ مُبَارَكٌ

पर ईमान लाअें. और ये किताब है बरकत वाली जिस को हम ने उतारा,

فَاتَّبِعُوهُ وَاتَّقُوا لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ ﴿۱۵५﴾ أَنْ تَقُولُوا

तो उस के मुताबिक यलो और डरो ताके तुम पर रहम किया जाओ. (ईस वजह से उतारी) के कही तुम

إِنَّمَا أَنْزَلَ الْكِتَابَ عَلَىٰ طَائِفَتَيْنِ مِنْ قَبْلِنَا ۖ

कहो के किताब हम से पेडले की हो जमाअतों पर उतारी गई.

وَإِنْ كُنَّا عَنْ دِرَاسَتِهِمْ لَغَفْلِينَ ﴿۱۵۱﴾ أَوْ تَقُولُوا

और हम उन अेडले कितान की किराअत (जबान और ँलम) से यकीनन बेभबर थे. या कही तुम

لَوْ أَنَّا أَنْزَلْنَا عَلَيْكَ الْكِتَابَ لَكُنَّا أَهْدَىٰ مِنْهُمْ ۚ

ये कडो के अगर हम पर कितान उतारी जाती तो हम उन से जयादा डिदायतयाइता डोते.

فَقَدْ جَاءَكُمْ بَيِّنَةٌ مِّن رَّبِّكُمْ وَهُدًى وَرَحْمَةٌ ۚ

किर यकीनन तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ से रोशन कितान आ गई, और डिदायत और रडमत आ गई.

فَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنْ كَذَّبَ بِآيَاتِ اللَّهِ وَصَدَفَ

किर उस से जयादा जालिम कौन डोगा जो अल्लाड की आयतों को जूडलाअे और उस से औराज

عَنْهَا ۚ سَنَجْزِي الَّذِينَ يَصْدِفُونَ عَنْ آيَاتِنَا

कडे. अनकरीब हम उन को जो डमारी आयतों से औराज करते हैं

سُوءَ الْعَذَابِ بِمَا كَانُوا يَصْدِفُونَ ﴿۱۵۲﴾ هَلْ يَنْظُرُونَ

भदतरीन अजाब की सजा डेंगे ँस वजड से के वो औराज करते हैं. वो मुन्तजिर नहीं हैं

إِلَّا أَنْ تَأْتِيَهُمُ الْمَلَائِكَةُ أَوْ يَأْتِيَ رَبُّكَ أَوْ يَأْتِيَ

भगर ँस के के उन के पास इरिशते आ जाअें या तुम्हारा रब आ जाअे या तेरे

بَعْضُ آيَاتِ رَبِّكَ ۚ يَوْمَ يَأْتِي بَعْضُ آيَاتِ رَبِّكَ

रब की बाज अलामात आ जाअें. जिस दिन तेरे रब की बाज अलामात आ जाअेंगी

لَا يَنْفَعُ نَفْسًا إِيْمَانُهَا لَمْ تَكُنْ أَمْنَتْ مِنْ قَبْلُ

तो किसी शप्स को उस का ँमान लाना नफा नहीं डेगा जो उस से पेडले ँमान न लाया डो

أَوْ كَسَبَتْ فِي إِيمَانِهَا خَيْرًا ۚ قُلِ انْتَضِرُوا

या जिस ने अपने ँमान में कोड ललाई न कमाई डो. आप इरमा दीजिये के तुम मुन्तजिर रडो,

إِنَّا مُنْتَظِرُونَ ﴿۱۵۳﴾ إِنَّ الَّذِينَ فَرَقُوا دِينَهُمْ وَكَانُوا

यकीनन हम ली मुन्तजिर हैं. यकीनन वो लोग जिन्हों ने अपने ँन को टुकडे टुकडे कर डिया और वो

شِيْعًا لَّسْتَ مِنْهُمْ فِي شَيْءٍ ۚ إِنَّمَا أَمْرُهُمْ إِلَى اللَّهِ

अलग अलग गिरोड बन गअे, आप उन में से किसी चीज में नहीं डो. उन का मुआमला तो सिर्फ अल्लाड के

ثُمَّ يُنَبِّئُهُم بِمَا كَانُوا يَفْعَلُونَ ﴿۱۵۴﴾ مَنْ جَاءَ بِالْحَسَنَةِ

सुपुई डे, किर वो उनडें भबर डेगा उन कामों की जो वो करते थे. जो ललाई ले कर आअेगा

فَلَهُ عَشْرُ أَمْثَالِهَا ۖ وَمَنْ جَاءَ بِالسَّيِّئَةِ

तो उस के लिये उस के जैसी दस (बराबर) होंगी. और जो बुराई ले कर आयेगा तो उसे

فَلَا يُجْزَىٰ إِلَّا مِثْلَهَا وَهُمْ لَا يُظَاهُونَ ﴿۱۳۱﴾ قُلْ إِنِّي

सजा नहीं दी जायेगी मगर उसी जैसी अक बुराई की और उन पर जुल्म नहीं किया जायेगा. आप फरमा

هَدَانِي رَبِّيَ ۖ إِلَىٰ صِرَاطٍ مُّسْتَقِيمٍ ۗ دِينًا قِيمًا

दीजिये यकीनन मुझे मेरे रब ने सीधे रास्ते की दिहायत दी है. सीधे दीन की, धब्राहीम (अलैहिस्सलाम)

مَلَّةَ إِبْرَاهِيمَ حَنِيفًا ۖ وَمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿۱۳۲﴾

की भिदलत की, जो सभ से कट कर अक अदलाड के डो कर रेडने वाले थे. और मुशरिकीन में से नहीं थे.

قُلْ إِنَّ صَلَاتِي وَنُسُكِي وَمَحْيَايَ وَمَمَاتِي لِلَّهِ

आप फरमा दीजिये यकीनन मेरी नमाज और मेरी धबादत और मेरा जना और मरना अदलाड

رَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿۱۳۳﴾ لَا شَرِيكَ لَهُ ۗ وَبِذَلِكَ أُمِرْتُ

रबुल आलमीन के लिये है. जिस का कोई शरीक नहीं. और उसी का मुझे डुकम दिया गया है

وَأَنَا أَوَّلُ الْمُسْلِمِينَ ﴿۱۳۴﴾ قُلْ أَغَيْرَ اللَّهِ أَبْغَىٰ رَبًّا

और मैं सभ से पेडला धस्लाम लाने वाला डूं आप फरमा दीजिये क्या अदलाड के अलावा मैं किसी को रब के

وَهُوَ رَبُّ كُلِّ شَيْءٍ ۗ وَلَا تَكْسِبُ كُلُّ نَفْسٍ

तौर पर तलाश कइं डालांके वो डर थीज का रब है? और कोई गुनाड नहीं करता मगर

إِلَّا عَلَيْهَا ۗ وَلَا تَزُرُ وَانْرَةَ ۖ وَزَرَ أُخْرَىٰ ۗ ثُمَّ

वो उसी की जान पर वबाल डोगा. और कोई भोज उडाने वाला दूसरे का भोज नहीं उडानेगा. फिर तुम्हारे

إِلَىٰ رَبِّكُمْ مَرْجِعُكُمْ فَيُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنْتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ ﴿۱۳۵﴾

रब की तरफ तुम्हें वापस जाना है, फिर वो तुम्हें भबर देगा उन थीजों की जिन में तुम धप्निलाइ करते थे.

وَهُوَ الَّذِي جَعَلَكُمْ خَلَائِفَ الْأَرْضِ وَرَفَعَ بَعْضَكُمْ

और वडी अदलाड है जिस ने तुम्हें जानशीन बनाया जमीन में और जिस ने तुम में से अक को दूसरे पर

فَوْقَ بَعْضٍ دَرَجَاتٍ لِّيَبْلُوكُمْ فِي مَا آتَاكُمْ ۗ

दरजात के अैतेबार से बुलन्द किया ताके वो तुम्हें आजमाये उस में जो उस ने तुम्हें दिया.

إِنَّ رَبَّكَ سَرِيعُ الْعِقَابِ ۗ وَإِنَّهُ لَغَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۳۶﴾

यकीनन तेरा रब जल्ड डिसाभ लेने वाला है. और यकीनन वो भप्शने वाला, निडायत रडम वाला है.

رُكُوعًا ٢٣	(٤) سُورَةُ الْأَعْرَافِ تَابِعًا لِمَكِّيَّةٍ (٣٩)	آيَاتُهَا ٢٠٦
और २४ रुकूअ हैं	सूरअे अअराफ़ मक्का में नाजिल हुई	उस में २०६ आयतें हैं
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ		
पण्डता हूँ अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निडायत रहम वाला है		
الْمَصِّ ۝ كِتَابٌ أَنْزَلَ إِلَيْكَ فَلَا يَكُنْ فِي صَدْرِكَ		
अलिफ़ लाम भीम साह. ये किताब है जो आप की तरफ़ उतारी गइ है, इस लिये आप के सीने में उस की		
حَرْجٌ مِّنْهُ لِيَتَذَكَّرَ بِهِ وَ ذِكْرًا لِلْمُؤْمِنِينَ ۝		
तरफ़ से कोई तंगी न रहे ताके आप उस के अरिये डराअें और ये इमान वालों के लिये नसीहत है.		
اتَّبِعُوا مَا أَنْزَلَ إِلَيْكُم مِّن رَّبِّكُمْ وَلَا تَتَّبِعُوا		
तुम उस की पैरवी करो जो तुम्हारे रब की तरफ़ से तुम्हारी तरफ़ उतारा गया है और तुम अल्लाह को		
مِن دُونِهِ أَوْلِيَاءَ ۖ قَلِيلًا مَّا تَذَكَّرُونَ ۝ وَكَمْ		
छोड कर होस्तों के पीछे मत यलो. बडोत कम तुम नसीहत छसिल करते छो. और कितनी बस्तियां हैं		
مِّن قَرْيَةٍ أَهْلَكْنَاهَا فِجَاءَهَا بِأَسْنَاءٍ بَيِّنَاتٍ أَوْ هُمْ قَائِلُونَ ۝		
जिन को हम ने छलाक किया इस तरह के हमारा अजाब उन पर आया रात के वक्त या जब वो कयलूला कर		
فَمَا كَانَ دَعْوَاهُمْ إِذْ جَاءَهُمْ بِأَسْنَاءٍ إِلَّا أَنْ قَالُوا		
रहे थे. फिर उन की पुकार नडी थी जब के हमारा अजाब उन पर आया मगर ये के उनछों ने कछा के		
إِنَّا كُنَّا ظَالِمِينَ ۝ فَلَنَسْئَلَنَّ الَّذِينَ أُرْسِلَ إِلَيْهِمْ		
यकीनन हम डी कुसूरवार हैं. फिर हम अउर सवाल करेंगे उन से जिन की तरफ़ पैगम्बरों को भेजा गया		
وَلَنَسْئَلَنَّ الْمُرْسَلِينَ ۖ فَلَنَقُصَّنَّ عَلَيْهِمْ بِعِلْمٍ		
और पैगम्बरों से भी अउर हम सवाल करेंगे. फिर हम उन के सामने अपने इल्म से किस्से बयान करेंगे		
وَمَا كُنَّا غَائِبِينَ ۝ وَالْوَزْنُ يَوْمَئِذٍ الْحَقُّ ۖ فَمَنْ ثَقُلَتْ		
और हम गाईब नडी थे. और वजन उस दिन छक है. फिर जिस के पलणे त्तारी		
مَوَازِينُهُ فَأُولَئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ۝ وَمَنْ خَفَّتْ		
रहेंगे तो यडी लोग इलाह पाने वाले हैं. और जिस के पलणे छल्के रहेंगे		
مَوَازِينُهُ فَأُولَئِكَ الَّذِينَ خَسِرُوا أَنفُسَهُمْ بِمَا كَانُوا		
तो यडी लोग हैं जिन्हों ने अपनी जानों को बसारे में डाला इस वजह से के वो		

بِآيَاتِنَا يَظْلِمُونَ ﴿٩﴾ وَلَقَدْ مَكَّنَّاكُمْ فِي الْأَرْضِ

ہماری آیتوں کے ساتھ جگہ کرتے تھے۔ یقیناً ہم نے تمہیں زمین میں

وَجَعَلْنَا لَكُمْ فِيهَا مَعَايِشٌ ۖ قَلِيلًا مَّا تَشْكُرُونَ ﴿١٠﴾

اور ہم نے تمہارے لیے زمین میں زندگی کے اسباب بنا دیے۔ بڑھتے کم تم شکر ادا کرتے ہو۔

وَلَقَدْ خَلَقْنَاكُمْ ثُمَّ صَوَّرْنَاكُمْ ثُمَّ قُلْنَا لِلْمَلٰٓئِكَةِ

اور یقیناً ہم نے تمہیں پیدا کیا، پھر ہم نے تمہاری صورتیں بنا دیں، پھر ہم نے فرشتوں سے کہا

اسْجُدُوا لِآدَمَ ۗ فَسَجَدُوا ۗ اِلَّا اِبٰلِيسَ ۗ لَمْ يَكُنْ

کہ آدم کو سجدہ کرو۔ سواغے ابلیس کے سب نے سجدہ کیا، کہ وہ سجدہ کرنے والوں میں سے نہیں رہا۔

مِّنَ السَّٰجِدِيْنَ ﴿١١﴾ قَالَ مَا مَنَعَكَ اَلَّا تَسْجُدَ ۗ اِذْ اَمَرْتُكَ ۗ

اے فلاں نے فرمایا توجہ کیا مانے اے فلاں اس سے کہ تُو سجدہ نہیں کرتا جب کہ میں نے توجہ دیکھ دیا؟

قَالَ اَنَا خَيْرٌ مِّنْهُ ۗ خَلَقْتَنِيْ مِنْ نَّارٍ وَّخَلَقْتَهُ

ابلیس نے کہا کہ میں آدم سے بہتر ہوں۔ اس لیے کہ آپ نے مجھے آگ سے پیدا کیا اور آپ نے اسے

مِّنْ طِيْنٍ ﴿١٢﴾ قَالَ فَاهْبِطْ مِنْهَا فَمَا يَكُوْنُ لَكَ

مٹی سے پیدا کیا۔ اے فلاں نے فرمایا کہ پھر تُو جہنم سے نیچے اتر جا، پھر تیری یہ طاقت نہیں ہے

اَنْ تَتَّكِبَ فِيْهَا فَاخْرُجْ اِنَّكَ مِنَ الصَّٰغِرِيْنَ ﴿١٣﴾ قَالَ

کہ تُو جہنم میں تکبر کرے، تو تُو نکل جا! یقیناً تُو اذلیل لوگوں میں سے ہے۔ ابلیس نے کہا کہ

اَنْظُرْنِيْ اِلٰى يَوْمٍ يُبْعَثُوْنَ ﴿١٤﴾ قَالَ اِنَّكَ

آپ مجھے موبلوت دیجیے اس دن تک جس دن میں کافروں سے اٹھائے جائیں گے۔ اے فلاں نے فرمایا کہ

مِنَ الْمُنْظَرِيْنَ ﴿١٥﴾ قَالَ فَمَا اَغْوَيْتَنِيْ لَاقُعدَنَّ لَهُمْ

یقیناً تُو موبلوت دی جائے گی۔ ابلیس نے کہا کہ پھر اس وجہ سے کہ تُو نے مجھے گمراہ کیا ہے، میں

صِرَاطَكَ الْمُسْتَقِيْمَ ﴿١٦﴾ ثُمَّ لَا تِيۡبَهُمْ مِّنْۢ بَيْنِ

ان کے لیے تیرے سیدھے راستے پر نہیں جائے گا۔ پھر میں ان کے پاس آؤں گا ان کے

اَيْدِيهِمْ وَمِنْۢ خَلْفِهِمْ وَاَعۡنَ اَيْمَانِهِمْ

آگے سے اور ان کے پیچھے سے اور ان کے دائیں سے

وَاَعۡنَ شَمَالِهِمْ ۗ وَلَا تَجِدُ اَكْثَرَهُمْ شٰكِرِيْنَ ﴿١٧﴾ قَالَ

اور ان کے بائیں سے۔ اور تُو ان میں سے اکثر کو شکر گزار نہیں پائے گا۔ اے فلاں نے فرمایا

اُخْرِجْ مِنْهَا مَذْعُورًا لَمَنْ تَبِعَكَ

के उलील और मरदूह डो कर तू जन्नत से निकल जा. अलबत्ता उन में से जो तेरे पीछे यलेगा तो

مِنْهُمْ لَأَمَّا لَنْ جَهَنَّمَ مِنْكُمْ أَجْمَعِينَ ﴿١٨﴾ وَيَا أَدَمُ

में तुम तमाम से जहन्नम को भर दूंगा. और (अल्लाह ने इरमाया के) अे आदम!

اسْكُنْ أَنْتَ وَزَوْجُكَ الْجَنَّةَ فَكُلَا مِنْ حَيْثُ شِئْتُمَا

तुम और तुम्हारी भीवी जन्नत में रडो, फिर तुम डोनों ढाओ जडं से तुम याडो,

وَلَا تَقْرَبَا هَذِهِ الشَّجَرَةَ فَتَكُونَا مِنَ الظَّالِمِينَ ﴿١٩﴾

लेकिन ँस दरप्त के करीब मत जाना, वरना तुम कुसूरवारों में से बन जाओगे.

فَوَسْوَسَ لَهُمَا الشَّيْطَانُ لِيُبْدِيَ لَهُمَا مَا وُورَى عَنْهُمَا

फिर शयतान ने उन के लिये वसवसा डाला ताके उन के लिये ढोल हे उन के छुपे

مِنْ سَوَاتِرِهِمَا وَ قَالَ مَا نَهَكُمَا رَبُّكُمَا

डुवे सतर को और ँडलीस ने कडल के तुम्हारे रड ने तुम्हें ँस

عَنْ هَذِهِ الشَّجَرَةِ إِلَّا أَنْ تَكُونَا مَلَكَيْنِ أَوْ تَكُونَا

दरप्त से नडी रोकल मगर ँस लिये के तुम डोनों इरिश्ते बन जाओगे या डमेशल रेडने वल्लों में से बन

مِنَ الْخَالِدِينَ ﴿٢٠﴾ وَ قَاسَمَهُمَا إِنِّي لَكُمَا

जाओगे. और ँडलीस ने उन डोनों के सामने कस्में ढाई के यकीनन में तुम डोनों के लिये

لِئِنِ التَّصْحِيْنَ ﴿٢١﴾ فَدَلَّهُمَا بِعُرْوَةٍ فَلَمَّا ذَاقَا الشَّجَرَةَ

ढेरढ्वाडी करने वल्लों में से डूं. युनांये ँडलीस ने उन डोनों को डोका हे कर नीये गिरल दियल के जड डोनों ने

بَدَتْ لَهُمَا سَوَاتِرُهُمَا وَطَفِقَا يَخْصِفْنَ عَلَيْهِمَا

दरप्त को यढल तो उन के लिये उन के सतर ढुल गअे और वो डोनों अपने डपर जन्नत के

مِنْ وَرَقِ الْجَنَّةِ ۗ وَ نَادِيَهُمَا رَبُّهُمَا أَلَمْ أَنهَكُمَا

ढत्ते यिपकलने लगे. और उन के रड ने उन डोनों को ढुकरल, कयल में ने तुम्हें मना नडी कियल थल

عَنْ تَلَكُمَا الشَّجَرَةَ وَأَقَلَّ لَكُمَا إِنَّ الشَّيْطَانَ لَكُمَا عَدُوٌّ

ँस दरप्त से और मैं ने तुम से नडी कडल थल के शयतलन तुम्हलरल ढुलल दुश्मन हे?

مُبِينٌ ﴿٢٢﴾ قَالَ رَبَّنَا ظَلَمْنَا أَنفُسَنَا ۖ وَإِن لَّمْ

आदम और डव्वा (अडैडिमस्सललम) केडने लगे अे डमारे रड! डम ने अपनी जलनों ढर ढुल्म कियल. और अगर

تَغْفِرْ لَنَا وَ تَرْحَمْنَا لَنَكُونَنَّ مِنَ الْخَسِرِينَ ﴿۱۳﴾ قَالَ

आप हमारी मगफ़िरत नही करोगे और हम पर रहम नही करोगे तो हम नुकसान उठाने वालों में से बन जाओगे।

أَهْبِطُوا بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ عَدُوٌّ وَلَكُمْ فِي الْأَرْضِ

अल्लाह ने इरमाया के तुम सब नीचे उतर जाओ, तुम में से एक दूसरे के दुश्मन बन कर रहोगे। और तुम्हारे लिये जमीन में

مُسْتَقَرٌّ وَمَتَاعٌ إِلَىٰ حِينٍ ﴿۱۴﴾ قَالَ فِيهَا تَحْيَوْنَ

आरज़ी ठिकाना है और एक वक़्त तक फ़ाईदा उठाना है। अल्लाह ने इरमाया के जमीन में तुम

وَ فِيهَا تَمُوتُونَ وَ مِنْهَا تُخْرَجُونَ ﴿۱۵﴾ يَبْنَىٰ آدَمَ

जिन्दगी गुज़ारोगे और उसी में मरोगे और उसी से तुम निकाले जाओगे। अरे इन्सानो!

قَدْ أَنْزَلْنَا عَلَيْكُمْ لِبَاسًا يُؤَارِي سُوَاتِكُمْ وَرِيشًا ۖ

यकीनन हम ने तुम पर लिबास उतारा जो तुम्हारे जिस्म के उन खिस्सों को धुपा सके जिन का ढोलना भुरा है

وَلِبَاسُ التَّقْوَىٰ ذَٰلِكَ خَيْرٌ ذَٰلِكَ مِنْ آيَاتِ اللَّهِ

और भुश्नुमाई का ज़रिया भी है। और तक्वा का लिबास ही बेहतर है। ये अल्लाह की आयात में से हैं

لَعَلَّهُمْ يَذْكُرُونَ ﴿۱۶﴾ يَبْنَىٰ آدَمَ لَا يَفْتَنَنَّكَ الشَّيْطَانُ

ताके वो नसीहत डालसिल करें। अरे इन्सानो! तुम्हें शयतान इत्ने में न डाले

كَمَا أَخْرَجَ أَبُونِكُمْ مِنَ الْجَنَّةِ يَنْزِعُ عَنْهُمَا لِبَاسَهُمَا

जैसा के तुम्हारे वालिदैन को जन्नत से निकाला के उन से उन के लिबास उतरवा रखा था

لِيُرِيَهُمَا سُوَاتِهِمَا ۗ إِنَّهُ يَرِيكُمْ هُوَ وَ قَبِيلُهُ

ताके उन को उन के सतर दिभासे। इस लिये के इब्लीस और उस की जमाअत तुम्हें देभती है

مِنْ حَيْثُ لَا تَرَوْنَهُمْ ۗ إِنَّا جَعَلْنَا الشَّيْطِينَ أَوْلِيَاءَ

ऐसी जग़ा से के तुम उन को नही देभ पाते। यकीनन हम ने शयातीन को उन लोगों का दोस्त बनाया है

لِلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۱۷﴾ وَإِذَا فَعَلُوا فَاحِشَةً قَالُوا

जो ईमान नही लाते। और जब वो बेइयाई का काम करते हैं तो केडते हैं के

وَجَدْنَا عَلَيْهَا آبَاءَنَا وَاللَّهُ أَمَرْنَا بِهَا ۗ قُلْ

हम ने उस पर हमारे बाप दादा को पाया और अल्लाह ने हमें इस का हुक़म दिया। आप इरमा दीजिये

إِنَّ اللَّهَ لَا يَأْمُرُ بِالْفَحْشَاءِ ۗ اتَّقُوا اللَّهَ عَلَىٰ اللَّهِ

यकीनन अल्लाह बेइयाई का हुक़म नही देते। क्या तुम अल्लाह पर वो बात केडते हो



مَا لَا تَعْلَمُونَ ﴿۱۸﴾ قُلْ أَمَرَ رَبِّي بِالْقِسْطِ وَأَقِيمُوا

જો તુમ જાનતે નહીં હો? આપ ફરમા દીજિયે કે મેરે રબ ને ઈ-સાફ કા હુકમ દિયા હૈ. ઓર યે કે તુમ

وَجُوهَكُمْ عِنْدَ كُلِّ مَسْجِدٍ وَادْعُوهُ مُخْلِصِينَ

અપને રુખ સીધે રખો હર સજદે કે વકત ઓર તુમ ઉસ કો પુકારો ઉસી કે લિયે ઈબાદત કો

لَهُ الدِّينَ ۚ كَمَا بَدَأَكُمْ تَعُودُونَ ﴿۱۹﴾ فَرِيقًا هَدَىٰ

ખાલિસ કરતે હુવે. જૈસા કે ઉસ ને તુમહું પેહલી મરતબા પૈદા કિયા, તુમ દોબારા લોટ કર આઓગે.

وَ فَرِيقًا حَقَّ عَلَيْهِمُ الضَّلَالَةُ ۗ إِنَّهُمْ اتَّخَذُوا

એક જમાઅત કો અલ્લાહ ને હિદાયત દી ઓર એક જમાઅત પર ગુમરાહી સાબિત હો ગઈ.

الشَّيَاطِينَ أَوْلِيَاءَ مِنْ دُونِ اللَّهِ وَيَحْسَبُونَ

યકીનન ઉન લોગોં ને શયાતીન કો દોસ્ત બનાયા અલ્લાહ કો છોડ કર કે ઓર વો સમજતે રહે કે

أَنَّهُمْ مُّهْتَدُونَ ﴿۲۰﴾ يَبْنِي أَدَمَ خُذُوا زِينَتَكُمْ

વો હિદાયતયાફતા હૈ. એ ઈ-સાનો! તુમ અપની ઝીનત લે લિયા કરો

عِنْدَ كُلِّ مَسْجِدٍ وَكُلُوا وَاشْرَبُوا وَلَا تُسْرِفُوا ۚ إِنَّهُ

હર નમાઝ કે વકત ઓર તુમ ખાઓ ઓર પિયો ઓર હદ સે તજાવુઝ મત કરો. યકીનન અલ્લાહ

لَا يُحِبُّ الْمُسْرِفِينَ ﴿۲۱﴾ قُلْ مَنْ حَرَّمَ زِينَةَ اللَّهِ الَّتِي

હદ સે તજાવુઝ કરને વાલોં સે મહબ્બત નહીં કરતે. આપ ફરમા દીજિયે કે અલ્લાહ કી ઝીનત કો જો ઉસ ને અપને

أَخْرَجَ لِعِبَادِهِ وَالطَّيِّبَاتِ مِنَ الرِّزْقِ ۗ قُلْ هِيَ

બન્દોં કે લિયે નિકાલી હૈ ઓર ખાને કી ઉમદા ચીઝોં કો કિસ ને હરામ કિયા? આપ ફરમા દીજિયે યે

لِلَّذِينَ آمَنُوا فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا خَالِصَةً يَوْمَ

નેઅમતે ઈમાન વાલોં કે લિયે દુન્યવી ઝિન્દગી મેં હૈ, ક્યામત કે દિન ખાલિસ ઉન્હી કે લિયે

الْقِيَامَةِ ۗ كَذَلِكَ نَفْصَلُ الْآيَاتِ لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ﴿۲۲﴾

હોંગી. ઈસી તરહ હમ આયતોં કો તફસીલ સે બયાન કરતે હૈં એસી કૌમ કે લિયે જો ઈલ્મ રખતી હો.

قُلْ إِنَّمَا حَرَّمَ رَبِّي الْفَوَاحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا

આપ ફરમા દીજિયે કે મેરે રબ ને બેહયાઈ કી ચીઝોં કો હરામ કિયા હૈ, ઉન મેં સે ઝાહિરી કો ભી

وَمَا بَطَّنَ ۖ وَالرِّثْمَ وَالْبَغْيَ بِغَيْرِ الْحَقِّ وَأَنْ تُشْرِكُوا

ઓર ખાતિની કો ભી, ઓર ઉસ ને હરામ કિયા ગુનાહ ઓર નાહક ઝુલ્મ કો. ઓર હરામ કિયા યે કે તુમ અલ્લાહ

بِاللَّهِ مَا لَمْ يُنَزَّلْ بِهِ سُلْطَانًا وَآنَ تَقُولُوا

के साथ शरीक ठेकराओ ऐसी थीज जिस पर अल्लाह ने कोई हकीकत नहीं उतारी और ये के तुम अल्लाह पर कडो

عَلَى اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ﴿۳۳﴾ وَلِكُلِّ أُمَّةٍ أَجَلٌ ۖ فَإِذَا جَاءَ

वो जो तुम जानते नहीं हो. और हर उम्मत के लिये एक आखिरी वकत मुकर्रर किया हुआ है. फिर जब उस का

أَجَلُهُمْ لَا يَسْتَأْخِرُونَ سَاعَةً ۖ وَلَا يَسْتَقْدِمُونَ ﴿۳۴﴾

आखिरी मुकर्रर किया हुआ वकत आ जाता है तो एक घड़ी न वो पीछे हट सकते हैं और न एक घड़ी आगे

يَبْنِيَّ أَدَمَ إِمَّا يَأْتِيَنَّكُمْ رُسُلٌ مِّنكُمْ يَقْضُونَ

बढ सकते हैं. ओ ई-सानो! अगर तुम्हारे पास तुम में से पैगम्बर आये जो तुम पर मेरी आयतें

عَلَيْكُمْ 'إِيَّتِي' ۖ فَمِنَ اتَّقَى وَأَصْلَحَ فَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ

तिलावत करें, फिर जो तकवा ईप्तिहार करेगा और ईस्लाह करेगा तो न उन पर भौंक डोगा

وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۳۵﴾ وَالَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا

और न वो गमगीन होंगे. और जिन्होंने ने हमारी आयतों को जूठलाया

وَأَسْتَكْبَرُوا عَنْهَا أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ۖ هُمْ فِيهَا

और उन से तकब्बुर किया वो दोजभी हैं. वो उस में हमेशा रहेंगे.

خَالِدُونَ ﴿۳۶﴾ فَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ

फिर उस से ज्यादा जालिम कौन डोगा जो अल्लाह पर जूठ घडे

كَذِبًا أَوْ كَذَّبَ بِآيَاتِهِ ۗ أُولَٰئِكَ يَنَالُهُمُ نَصِيبُهُمْ

या अल्लाह की आयतों को जूठलाये. उन को उन का हिस्सा लिभे हुवे में से पडोय कर रहेगा.

مِّنَ الْكِتَابِ حَتَّىٰ إِذَا جَاءَتْهُمْ رُسُلُنَا يَتَوَفَّوْنَهُمْ ۖ

यहां तक के जब उन के पास हमारे लभेजे हुवे इरिश्ते आयेगे जो उन की जान निकाल रहे डोंगे,

قَالُوا آيِنَ مَا كُنْتُمْ تَدْعُونَ مِن دُونِ اللَّهِ ۗ قَالُوا

तो वो पूछेंगे कहां हैं वो शुरका जिन्हें तुम अल्लाह के अलावा पुकारते थे? वो कडेंगे

ضَلُّوا عَنَّا وَ شَهِدُوا عَلَىٰ أَنفُسِهِمْ أَنَّهُمْ كَانُوا

के वो हम से भो गये और वो गवाही देंगे अपनी जानों के खिलाफ ये के वो

كَفَرِينَ ﴿۳۷﴾ قَالَ ادْخُلُوا فِي أُمَمٍ قَدْ خَلَتْ مِن

काफिर थे. अल्लाह इरमायेगे के तुम दाखिल हो उन उम्मतों में जो तुम से पहले जिन्नात और

قَبْلِكُمْ مِّنَ الْجِنَّ وَالْإِنْسِ فِي النَّارِ كُلَّمَا دَخَلَتْ

ईसाओ की गुजर चुकी है, (उन में शामिल हो कर) जहन्नम में दाखिल हो जाओ. जब कभी कोई जमाअत

أُمَّةٌ لَعَنَتْ أُخْتَهَا حَتَّىٰ إِذَا آذَرُكُوا فِيهَا جَمِيعًا ۚ

जहन्नम में दाखिल होगी तो वो अपनी साथ वाली जमाअत पर लानत करेगी. यहां तक के जब वो जहन्नम

قَالَتْ أَخْرَبَهُمْ لِأَوْلِهِمْ رَبَّنَا هَؤُلَاءِ أَضَلُّونَا

में एकट्टे हो जाओगे तो उन में से पीछे आने वाली जमाअत उन में से पेड़ली वाली जमाअत से कहेगी ओहमारे रब!

فَاتِهِمْ عَذَابًا ضِعْفًا مِّنَ النَّارِ قَالَ لِكُلِّ

ये वो लोग है जिन्होंने हमें गुमराह किया, इस लिये आप उन्हें आग का दूगना अजाब दीजिये. अल्लाह इरमाओगे

ضِعْفٌ وَلَٰكِن لَّا تَعْلَمُونَ ﴿۱۶﴾ وَقَالَتْ أُولَهُمْ

हर एक के लिये दूगना है, लेकिन तुम जानते नहीं हो. और उन में से पेड़ली जमाअत कहेगी

لِأَخْرَبَهُمْ فَمَا كَانَ لَكُمْ عَلَيْنَا مِنْ فَضْلٍ

उन में से पीछे आने वाली जमाअत से के इर तुम्हारे लिये हम पर कोई इजीलत नहीं है,

فَذُوقُوا الْعَذَابَ بِمَا كُنْتُمْ تَكْسِبُونَ ﴿۱۷﴾

इस लिये तुम भी अजाब यओ उन ही आमाल की वजह से जो तुम भुद करते थे.

إِنَّ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا وَاسْتَكْبَرُوا عَنْهَا لَا تُفَتَّحُ

यकीनन वो लोग जिन्होंने हमारी आयतों को जूठलाया और उन से तकभुर किया उन के लिये आस्मान

لَهُمْ أَبْوَابُ السَّمَاءِ وَلَا يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ

के दरवाजे भोले नहीं जाओगे और वो जन्नत में दाखिल नहीं होंगे

حَتَّىٰ يَلِجَ الْجَمَلُ فِي سَمِّ الْخِيَاطِ ۗ وَكَذَٰلِكَ نَجْزِي

यहां तक के ढिंट सुई के नाके (सूराभ) में दाखिल हो जाओ. और इसी तरह हम मुजरिमों को

الْبُجْرَمِينَ ﴿۱۸﴾ لَهُمْ مِّنْ جَهَنَّمَ مِهَادٌ وَمِنْ فَوْقِهِمْ

सजा होंगे. उन के लिये जहन्नम ही से बिछौना होगा और उन के उपर से

غَوَاشٍ ۗ وَكَذَٰلِكَ نَجْزِي الظَّالِمِينَ ﴿۱۹﴾ وَالَّذِينَ آمَنُوا

ओण्डना भी होगा. और इसी तरह हम जालिमों को सजा होंगे. और वो लोग जो ईमान लाओ

وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَا نُكَلِّفُ نَفْسًا إِلَّا وُسْعَهَا ۗ

और नेक काम करते रहे, हम किसी शख्स को मुकल्लइ नहीं बनाते मगर उस की ताकत के मुताबिक.

یہی	لوگ	جنتی	ہے۔	وہ	اس	میں	ہمیشہ	رہیں گے۔
و نَزَعْنَا مَا فِي صُدُورِهِمْ مِّنْ غَلِيٍّ تَجْرِي								
اور ہم نیکال دیں گے وہ کینا جو ان کے سینوں میں ہے، ان کے نیچے سے								
مِنْ تَحْتِهِمُ الْأَنْهَارُ وَقَالُوا الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي هَدَانَا								
نہ رہے بھولتی ہوگی۔ اور وہ کہیں گے کہ تمام تاریکی اس اذلال کے لیے ہے جس نے ہمیں اس کی								
لِهَذَا وَمَا كُنَّا لِنَهْتَدِيَ لَوْلَا أَنَّ هَدَانَا اللَّهُ								
ڈیٹھایا تھا۔ اور ہم ایسے نہ تھے کہ ہم ڈیٹھایا پاتے اگر اذلال ہمیں ڈیٹھایا نہ دے۔								
لَقَدْ جَاءَتْ رُسُلٌ رَبِّنَا بِالْحَقِّ وَنُودُوا								
یہ کینا ہمیں ۲۵ کے (جسے) وہ پے گامبر لک لے کر آئے۔ اور ان کو آواز دی جاسے گی								
أَنْ تِلْكُمْ الْجَنَّةَ أُورِثْتُمُوهَا بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ								
کہ یہ وہ جنت ہے جس کا تمہیں وارث بنا دیا گیا ہے ان اعمال کی بدولت جو تم کرتے تھے۔								
اور	جنتی	دوڑھیوں	کو	پکاریں گے	کہ	یہ کینا		
وَجَدْنَا مَا وَعَدَنَا رَبُّنَا حَقًّا فَهَلْ وَجَدْتُمْ								
ہم نے تو لک پایا وہ واہا جو ہمیں ۲۵ نے ہم سے کیا تھا، کیا تم نے اس واہے کو لک								
مَا وَعَدَ رَبُّكُمْ حَقًّا قَالُوا نَعَمْ فَآذِنَ مُؤَدِّنٌ								
پایا جو تمہارے ۲۵ نے تم سے کیا تھا؟ تو وہ کہیں گے، جی ہاں۔ کیا ایک اعلان کرنے والا ان کے								
بَيْنَهُمْ أَنْ لَعْنَةُ اللَّهِ عَلَى الظَّالِمِينَ								
درمیان میں اعلان کرے گا کہ اذلال کی لعنت ہے ظالموں پر۔ جو								
يَصُدُّونَ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ وَبِعُذْرَتِهَا عَوجَّاءَ								
اذلال کے راستے سے روکتے تھے اور اس میں کچھ تلاش کرتے تھے۔								
وَهُمْ بِالْآخِرَةِ كَافِرُونَ								
اور وہ آخرت کے لیے منکر تھے۔ اور ان دونوں کے درمیان (اخراج کی) دیوار ہوگی۔								
وَ عَلَى الْأَعْرَافِ رِجَالٌ يَعْرِفُونَ كُلًّا بِسِيئَتِهِمْ								
اور اجراج پر کچھ لوگ ہوں گے جو سب کو ان کی اذلامات سے پہچانتے ہوں گے۔								

<p>و نَادُوا أَصْحَابَ الْجَنَّةِ أَنْ سَلِّمُوا عَلَيْكُمْ ۖ</p>	<p>اور وہ جنتیوں کو پکارے گے کہ ارسلام ایلایکم۔</p>
<p>لَمْ يَدْخُلُوهَا وَهُمْ يَطْبَعُونَ ﴿۱۱﴾ وَإِذَا صُرِفَتْ أَبْصَارُهُمْ</p>	<p>اب تک وہ جنت میں داخل نہیں ہوں گے، بلکہ وہ اس کا لالچ رہتے ہوں گے اور جب ان کی نگاہیں</p>
<p>تَلْقَاءَ أَصْحَابِ النَّارِ ۖ قَالُوا رَبَّنَا لَا تَجْعَلْنَا</p>	<p>دوڑھیوں کی طرف ڈھکی جائیں گی، تو وہ کہیں گے کہ اے ہمارے رب! تو ہمیں جہنم کے</p>
<p>مَعَ الْقَوْمِ الظَّالِمِينَ ﴿۱۲﴾ وَ نَادَى أَصْحَابُ الْأَعْرَافِ رَجُلًا</p>	<p>سایہ میں کرنا۔ اور افسوس والے پکارے گے ان (بند) لوگوں کو</p>
<p>يَعْرِفُونَهُمْ بِسْمِهِمْ قَالُوا مَا اغْنَىٰ عَنْكُمْ</p>	<p>جن کو وہ ان کی اسیما سے پہچانتے ہوں گے، وہ کہیں گے کہ تمہارے کچھ کام نہیں آیا</p>
<p>جَمْعُكُمْ وَمَا كُنْتُمْ تَسْتَكْبِرُونَ ﴿۱۳﴾ أَهَؤُلَاءِ</p>	<p>تمہارا جما کیا ہوا مال اور وہ جو تم بڑا بننا چاہتے تھے۔ کہ کیا یہ وہی لوگ ہیں</p>
<p>الَّذِينَ أَقْسَمْتُمْ لَا يَنَالُهُمُ اللَّهُ بِرَحْمَةٍ ۖ ادْخُلُوا</p>	<p>کہ تم کہتے تھے کہ اللہ ان کو رحمت نہیں پہنچائے گا؟ تم جہنم میں</p>
<p>الْجَنَّةَ لَا خَوْفٌ عَلَيْكُمْ وَلَا أَنْتُمْ تَحْزَنُونَ ﴿۱۴﴾</p>	<p>داخل ہو جاؤ، تم پر ڈر نہیں ہے اور نہ تم غمگین ہوں گے۔</p>
<p>وَ نَادَى أَصْحَابُ النَّارِ أَصْحَابَ الْجَنَّةِ أَنْ أَفِيضُوا</p>	<p>اور دوڑھی جنتیوں کو پکارے گے کہ تم ہمارے اوپر</p>
<p>عَلَيْنَا مِنَ الْمَاءِ أَوْ مِمَّا رَزَقَكُمُ اللَّهُ ۗ قَالُوا</p>	<p>پانی میں سے کچھ بھراؤ یا اس میں سے جو اللہ نے تمہیں روزی کے طور پر دیا ہے۔ تو وہ کہیں گے کہ</p>
<p>إِنَّ اللَّهَ حَرَّمَهَا عَلَى الْكٰفِرِينَ ﴿۱۵﴾ الَّذِينَ اتَّخَذُوا</p>	<p>یقیناً اللہ نے ان کافروں کو حرام کیا ہے۔ ان پر جنہوں نے اپنے</p>
<p>دِينَهُمْ لَهُوَ وَعَلِبًا وَعَرَّتَهُمُ الْحَيٰوةُ الدُّنْيَا ۗ</p>	<p>دین کو دھل بھیلانے کا زریعہ اور بھل بنا لیا اور ان کو دنیوی زندگی نے دھوکے میں ڈالے رکھا۔</p>
<p>فَالْيَوْمَ نَنسِفُهُمْ كَمَا نَسَوْا لِقَاءَ يَوْمِهِمْ هٰذَا ۖ وَمَا</p>	<p>ہیں آج ہم انہیں مٹا دیں گے جیسا کہ انہوں نے مٹا دیا تھا ان کے اس دن کے میلنے کو۔ اور اس</p>

كَانُوا بِآيَاتِنَا يَجْحَدُونَ ﴿۵۱﴾ وَلَقَدْ جِئْنَهُمْ بِكِتَابٍ

वजह से के वो हमारी आयतों का इन्कार करते थे. यकीनन हम उन के पास किताब लाये हैं

فَضَّلْنَاهُ عَلَىٰ عِلْمٍ هُدًى وَرَحْمَةً لِّقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ ﴿۵۲﴾

जिस को हम ने इल्म के साथ तफ्सील से भयान किया है हिदायत और रहमत के तौर पर ऐसी क्रम के लिये

هَلْ يَنْظُرُونَ إِلَّا تَأْوِيلَهُ ۚ يَوْمَ يَأْتِي تَأْوِيلَهُ

जो इमान लाये. वो मुन्तज़िर नहीं हैं मगर उस के नतीजे के. जिस दिन उस का नतीजा आ जायेगा

يَقُولُ الَّذِينَ نَسُوهُ مِنْ قَبْلُ قَدْ جَاءَتْ رُسُلٌ

तो कहेंगे वो लोग जिन्होंने उस को भुला रखा था इस से पहले के यकीनन हमारे रभ के भेजे हुवे पैगम्बर

رَبِّنَا بِالْحَقِّ ۗ فَهَلْ لَنَا مِنْ شُفَعَاءَ فَيَشْفَعُوا

हक ले कर आये थे. फिर क्या हमारे लिये कोई सिफारिशी है जो हमारे लिये सिफारिश

لَنَا أَوْ نُرَدُّ فَنَعْمَلْ غَيْرَ الَّذِي كُنَّا نَعْمَلُ ۚ قَدْ

करे या हम (दुन्या में) वापस लौटाये जायेंगे के हम (जा कर) अमल करे उस के अलावा जो हम अमल करते थे.

خَسِرُوا أَنْفُسَهُمْ وَضَلَّ عَنْهُمْ مَا كَانُوا يَفْتَرُونَ ﴿۵۳﴾

यकीनन उन्होंने ने अपनी जानों को भसारे में डाला और उन से भो गये वो जो वो जूठ घडा करते थे.

إِنَّ رَبَّكُمُ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ

यकीनन तुम्हारा रभ वो अल्लाह है जिस ने आस्मान और जमीन पैदा किये

فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ ثُمَّ اسْتَوَىٰ عَلَى الْعَرْشِ ۗ يُعْشَىٰ

छे दिन में, फिर वो अर्श पर मुस्तवी हुवा. वो रात को ढांपता है दिन पर,

الَّيْلَ النَّهَارَ يَطْلُبُهُ حَثِيثًا ۗ وَالشَّمْسُ وَالْقَمَرُ

दिन रात की तलाश में तेजी से दौड़ता है और सूरज और चांद और सितारों को

وَالنُّجُومُ مُسَخَّرَاتٌ بِأَمْرِ ۗ أَلَا لَهُ الْخَلْقُ وَالْأَمْرُ

अपने हुकम से काम में लगा रखा है. सुनो! उसी के लिये (आलम) बल्क है और उसी के लिये (आलम)

تَبَارَكَ اللَّهُ رَبُّ الْعَالَمِينَ ﴿۵۴﴾ أَدْعُوا رَبَّكُمْ

अम्न है. अल्लाह बाबरकत है, तमाम जहानों का रभ है. तुम अपने रभ को पुकारो

تَضَرُّعًا وَخُفْيَةً ۗ إِنَّهُ لَا يُحِبُّ الْمُعْتَدِينَ ﴿۵۵﴾

आजिजी से और युपके युपके. यकीनन अल्लाह हद से आगे बण्डने वालों से मडब्बत नहीं करते.

وَلَا تَفْسِدُوا فِي الْأَرْضِ بَعْدَ إِصْلَاحِهَا وَادْعُوا خَوْفًا

और जमीन में इसाह मत फैलाओ उस की धस्लाह के बाद और उसी को भौंक से और लालच

وَوَطْعًا ۖ إِنَّ رَحْمَتَ اللَّهِ قَرِيبٌ مِّنَ الْمُحْسِنِينَ ﴿۵۱﴾

से पुकारो. यकीनन अद्लाह की रहमत ओहसान वालों से करीब है.

وَهُوَ الَّذِي يُرْسِلُ الرِّيحَ بُشْرًا بَيْنَ يَدَيْ

और वही अद्लाह है जो उवाओं को बशारत के तौर पर अपनी रहमत से पेहले

رَحْمَتِهِ ۖ حَتَّىٰ إِذَا أَقَلَّتْ سَحَابًا ثِقَالًا سُقِنَهُ

भेजता है. यहां तक के जब ये उवाओं भारी बादलों को उठा कर लाती हैं तो हम उस को

لِبَلَدٍ مَّيِّتٍ فَأَنْزَلْنَا بِهِ الْمَاءَ فَأَخْرَجْنَا بِهِ

मुर्दा जमीन की तरफ़ डांक देते हैं, फिर हम उस से पानी उतारते हैं, फिर हम उस से तमाम

مِن كُلِّ الثَّمَرَاتِ ۖ كَذَلِكَ نُخْرِجُ الْمَوْتَى لَعَلَّكُمْ

इलों को निकालते हैं. इसी तरह हम मुर्दों को भी (कध्रों से) निकालेंगे, शायद के तुम नसीहत

تَذَكَّرُونَ ﴿۵۲﴾ وَالْبَلَدُ الطَّيِّبُ يَخْرُجُ نَبَاتُهُ

डासिल करो. और अच्छी जमीन, उस का सफ़ा उस के रब के हुकम

بِإِذْنِ رَبِّهِ ۗ وَالَّذِي خَبُثَ لَا يَخْرُجُ إِلَّا نَكِدًّا

से निकलता है. और वो जमीन जो बुरी है, उस का सफ़ा नहीं निकलता मगर निकम्मा.

كَذَلِكَ نَصْرَفُ الْأَيِّتِ لِقَوْمٍ يَشْكُرُونَ ﴿۵۳﴾

इसी तरह हम आयतों को फेर फेर कर बयान करते हैं ऐसी कौम के लिये जो शुक्र अदा करती है.

لَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوحًا إِلَىٰ قَوْمِهِ فَقَالَ يَتَّقُوا اللَّهَ

यकीनन हम ने नूह (अलैहिस्सलाम) को रसूल बना कर भेजा उन की कौम की तरफ़, फिर उनको ने कडा

اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ مِن إِلَهٍ غَيْرُهُ ۖ إِنِّي

ओ मेरी कौम! अद्लाह की धबाहत करो, तुम्हारे लिये अद्लाह के अलावा कोई माबूद नहीं. यकीनन मैं

أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمٍ عَظِيمٍ ﴿۵۴﴾ قَالَ

तुम पर ओक बडे दिन के अजाब से डरता हूँ. उन की कौम

الْمَلَائِكَةُ مِنْ قَوْمِهِ إِنَّا لَنُرِيكَ فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ﴿۵۵﴾

के सरदारों ने कडा के यकीनन हम आप को भुली गुमराही में देब रहे हैं.

قَالَ يَقَوْمِ لَيْسَ بِي ضَلَالَةٌ وَلَا كَيْفِي رَسُولٌ

नूह (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अे मेरी कौम! मुज में गुमराही नहीं लेकिन मैं रब्बुल आलमीन

مِّن رَّبِّ الْعَالَمِينَ ﴿١١﴾ أَبْلِغْكُمْ رَسُولِي رَّبِّي

की तरफ से भेजा हुआ पैगम्बर हूँ. मैं तुम्हें अपने रब के पैगामात पढोयाता हूँ

وَأَنْصَحْ لَكُمْ وَاعْلَمُ مِنَ اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ﴿١٢﴾

और मैं तुम्हारी भेरपवाही करता हूँ और मैं अल्लाह की तरफ से जानता हूँ वो जो तुम नहीं जानते.

أَوْعَجِبْتُمْ أَنْ جَاءَكُمْ ذِكْرٌ مِّن رَّبِّكُمْ

क्या तुम्हें तअज्जुब हुआ इस बात से के तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ से नसीहत आई

عَلَى رَجُلٍ مِّنكُمْ لِيُنذِرَكُمْ وَلِتَتَّقُوا وَلَعَلَّكُمْ

तुम में से अेक शम्स पर ताके वो तुम्हें डराअे और ताके तुम मुत्तकी बनो और ताके तुम पर रडम

تُرْحَمُونَ ﴿١٣﴾ فَكَذَّبُوهُ فَأَنْجَيْنَاهُ وَالَّذِينَ

क्रिया जाअे? फिर उन्हों ने नूह (अलैहिस्सलाम) को जूठलाया, फिर डम ने नूह (अलैहिस्सलाम) को नजात दी

مَعَهُ فِي الْفُلِكِ وَاعْرِفْنَا الَّذِينَ كَذَّبُوا

और उन लोगों को जो आप के साथ कशती में थे. और डम ने गर्क क्रिया उन लोगों को जिन्हों ने

بِآيَاتِنَا إِنَّهُمْ كَانُوا قَوْمًا عَمِينَ ﴿١٤﴾

डमारी आयतों को जूठलाया. यकीनन वो अन्धी कौम थी.

وَإِلَى عَادِ أَخَاهُمْ هُودًا قَالَ يَقَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ

और कौमे आद की तरफ भेजा उन के भाई हूद (अलैहिस्सलाम) को. हूद (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अे मेरी कौम!

مَا لَكُمْ مِّنَ اللَّهِ غَيْرُهُ أَفَلَا تَتَّقُونَ ﴿١٥﴾ قَالَ

अल्लाह की ईबादत करो, तुम्हारे लिये उस के सिवा कोई माभूह नहीं. क्या फिर तुम डरते नहीं हो? उन की

الْبَلَاءِ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ قَوْمِهِ إِنَّا لَنُرَاكَ

कौम के काफिर सरदारों ने कडा के यकीनन डम आप को डिमाकत में देभ रहे हैं

فِي سَفَاهَةٍ وَإِنَّا لَنُظُنُّكَ مِنَ الْكَاذِبِينَ ﴿١٦﴾ قَالَ

और यकीनन डम आप को जूठों में से गुमान करते हैं. हूद (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया

يَقَوْمِ لَيْسَ بِي سَفَاهَةٌ وَلَا كَيْفِي رَسُولٌ مِّن

अे मेरी कौम! मुज में डिमाकत नहीं, लेकिन मैं रब्बुल आलमीन की तरफ से भेजा हुआ



رَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿۱۷﴾ أَبْلَغَكُمْ رَسُولِ رَبِّي وَأَنَا

پہیغامبر خُ. میں نے تمہیں اپنے رب کے پیغامات پہنچاتا ہوں اور میں

لَكُمْ ناصِحٌ أَمِينٌ ﴿۱۸﴾ أَوْعَجِبْتُمْ أَنْ جَاءَكُمْ

تुम्ہارے لیے امانتدار بے رجا ہوں۔ کیا تمہیں تعجب ہے کہ تمہارے پاس

ذَكَرٌ مِّنْ رَبِّكُمْ عَلَى رَجُلٍ مِّنكُمْ لِيُنذِرَكُمْ ۗ

تुम्ہارے رب کی طرف سے کسی شخص پر تاکہ وہ تمہیں ڈرے؟

وَأذْكُرُوا إِذْ جَعَلَكُمْ خُلَفَاءَ مِنْ بَعْدِ قَوْمِ

اور یاد کرو جب کے اہلکار نے تمہیں جانسین بناوا کومے نول کے باء

نُوحٍ وَزَادَكُمْ فِي الْخَلْقِ بَصُطَةً ۗ فَادْكُرُوا

اور तुम्ہارے ڈیل ڈیل کے ڈیلاو کو ڈیاڈا کیا۔ ڈیر اہلکار کی نےامتوں کو

الآءِ اللَّهِ لَعَلَّكُمْ تَفْلِحُونَ ﴿۱۹﴾ قَالُوا اجْتَنَّا

یاد کرو تاکہ تم ڈلاڈ پاؤ۔ اونوں نے کہا کیا آپ ڈمارے پاس آئے ڈو

لِنَعْبُدَ اللَّهَ وَحْدَهُ وَنَذَرَ مَا كَانَ يَعْبُدُ

تاکہ ہم یکتا اہلکار کی ڈباڈت کرے اور ہم ڈوڈ ڈے ڈن ماڈوڈو کو ڈین کی ڈمارے باپ ڈاڈا ڈباڈت

أَبَاؤُنَا ۗ فَاتِنَّا بِمَا تَعِدُنَا إِنْ كُنْتَ

کرتے ڈے؟ تو ڈیر ڈمارے پاس آپ ڈس اڈاڈ کو ڈے آڈڈے ڈس سے آپ ڈمے ڈرا رڈے ڈو اگر آپ

مِنَ الصّٰدِقِينَ ﴿۲۰﴾ قَالَ قَدْ وَقَعَ عَلَيْكُمْ مِّنْ رَبِّكُمْ

سڈوڈوں میں سے ڈو۔ ڈوڈ (اڈوڈیڈسڈلام) نے ڈرماڈا کے یکیڈنن तुम्ہارے ڈپر तुम्ہارے رب کی طرف سے

رَجْسٌ وَغَضَبٌ ۗ أَتَجَادِلُونَنِي فِيْ أَسْمَاءِ

اڈاڈ اور گاڈاڈ ناڈیل ڈو یڈا۔ کیا تم مڈ سے ڈڈڈتے ڈو ڈنڈ ناموں کے باڈے میں

سَيِّئَتُوهَا أَنْتُمْ وَ آبَاؤُكُمْ مَا نَزَّلَ اللَّهُ

ڈو تم نے اور तुम्ہارے باپ ڈاڈا نے رب ربہ ڈے، ڈس ڈر اہلکار نے کوڈ

بِهَا مِنْ سُلْطٰنٍ ۗ فَانْتَضِرُوا إِنِّي مَعَكُمْ

ڈلیل نہی ڈتاری؟ اور ڈنڈاڈر کرو، یکیڈنن میں तुम्ہارے ساڈ ڈنڈاڈر کرنے

مِّنَ الْمُنْتَظِرِينَ ﴿۲۱﴾ فَانْجِبْنَهُ وَالَّذِينَ مَعَهُ بِرَحْمَةٍ

والوں میں سے ڈو۔ ڈیر ڈم نے ڈوڈ (اڈوڈیڈسڈلام) کو نہاڈ ڈی اور ڈن لوگوں کو ڈو آپ کے

مَّا وَ قَطَعْنَا دَابِرَ الَّذِينَ كَذَبُوا بِآيَاتِنَا

साथ थे उमारी रहमत से और हम ने उन की जस काट दी जिन्होंने उमारी आयतों को जूठलाया और

وَمَا كَانُوا مُؤْمِنِينَ ﴿٤٧﴾ وَإِلَىٰ شُؤدَّٰخَاهُمْ صٰلِحًا

वो ईमान वाले नहीं थे. और कौमे समूह की तरफ़ भेजा उन के भाई सालेउ (अलैडिस्सलाम) को. सालेउ (अलैडिस्सलाम) ने

قَالَ يَقَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ مِّنْ إِلٰهٍ غَيْرُهُ

इरमाया अ मेरी कौम! ईभादत करो अल्लाउ की, तुम्हारे लिये उस के अलावा कोई भाबूह नहीं है.

قَدْ جَاءَتْكُمْ بَيِّنَةٌ مِّنْ رَبِّكُمْ ۖ هٰذِهِ نٰقَةُ اللَّهِ

यकीनन तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ़ से रोशन मोअजिजा आ युका है. ये अल्लाउ की गींटनी

لَكُمْ آيَةٌ فَذَرُوهَا تَأْكُلْ فِي ۖ أَرْضِ اللَّهِ

तुम्हारे लिये मोअजिजे के तौर पर है, तो उस को छोड दो के वो अल्लाउ की जमीन में भाअे

وَلَا تَمْسُوهَا بِسُوءٍ فَيَأْخُذَكُمْ عَذَابُ ۖ إِلِيمٍ ﴿٤٨﴾

और उस को बुराई के साथ मत छुओ, वरना तुम्हें दहनाक अजाब पकड लेगा.

وَأذْكُرُوا إِذْ جَعَلَكُمْ خُلَفَاءَ مِنْ بَعْدِ عَادٍ

और याद करो जब के अल्लाउ ने तुम्हें जानशीन बनाया कौमे आद के बाद

وَبَوَّأَكُمْ فِي الْأَرْضِ تَتَّخِذُونَ مِنْ سَهُولِهَا

और तुम्हें ठिकाना दिया जमीन में, तुम उस के उमवार मैदानों में

قَصُورًا وَتَنْحِتُونَ الْجِبَالَ بُيُوتًا ۖ فَادْكُرُوا

मडल बनाते हो और तुम पहाडों को तराश कर मकानात बनाते हो. तो अल्लाउ की

الآءِ اللَّهِ وَلَا تَعْتُوا فِي الْأَرْضِ مُفْسِدِينَ ﴿٤٩﴾

नेअमतों को याद करो और जमीन में इसाद हैलाते हुवे मत किरो.

قَالَ الْمَلَأُ الَّذِينَ اسْتَكْبَرُوا مِنْ قَوْمِهِ لِلَّذِينَ

उन सरदारों ने जिन्होंने तकबुर किया आप की कौम में से उन लोगों से कडा जो

اسْتَضَعِفُوا لِنِ اٰمَنَ مِنْهُمْ اَتَعْلَمُونَ

कमजोर किये गअे थे उन लोगों से जो उन में से ईमान लाअे थे के क्या तुम ये अकीदा रभते हो के

أَنَّ صٰلِحًا مُّرْسَلٌ مِّنْ رَبِّهِ ۖ قَالُوا إِنَّا بِمَا أُرْسِلَ

सालेउ अपने रब की तरफ़ से भेजे हुवे पैगम्बर हैं? उन मोमिनीन ने कडा के यकीनन हम तो उस पर भी ईमान

بِهِ مُؤْمِنُونَ ﴿۷۵﴾ قَالَ الَّذِينَ اسْتَكْبَرُوا إِنَّا بِالذِّمَىٰ

رખتے ہیں جس کو دے کر سالاہ (اقلیدیسسلاام) (مہجے گمے ہیں۔ ان لوگوں نے کھا جینڈوں نے بڈا بننا یااڈا یکیمن

أَمْنَتُمْ بِهِ كَفَرُونَ ﴿۷۶﴾ فَعَقَرُوا النَّاقَةَ وَعَتَوْا

ڈم تو کڈڈ کرتے ہیں اڈس کے ساڈھ جس ٲر ڈم ڈمان رٲتے ڈے۔ ڈیر اڈڈوں نے اڈڈنی کے ٲیر کاٹ ڈیے اور اڈڈوں نے

عَنْ أَمْرِ رَبِّهِمْ وَقَالُوا يُضْلِحُ آئِتِنَا بِمَا تَعِدُنَا

سارکشی کی اٲنے رٲ کے ڈڈم سے اور اڈڈوں نے کھا کے اے سالاہ! ڈمارے ٲاس وے اڈاٲ ڈے آاڈیے جس سے

إِنْ كُنْتَ مِنَ الْمُرْسَلِينَ ﴿۷۷﴾ فَأَخَذْتَهُمُ الرَّجْفَةُ

ڈم ڈمے ڈراتے ڈے اڈر ڈم (مہجے ڈوے ٲیگامٲروں مے سے ڈے۔ ڈیر ان کو ڈلاڈلے نے ٲکڈ ڈیا،

فَأَصْبَحُوا فِي دَارِهِمْ جُثَيَيْنَ ﴿۷۸﴾ فَتَوَلَّىٰ عَنْهُمْ

ڈیر وے اٲنے ڈروں مے اور ڈی ٲڈے رے ڈ گمے۔ ڈیر سالاہ (اقلیدیسسلاام) نے ان سے مڈ ڈیر ڈیا

وَقَالَ يَقَوْمٍ لَقَدْ أَبْلَغْتُكُمْ رَسُولَ رَبِّي وَ نَصَحْتُ

اور ڈرما یا اے مےری کؤم! یکیمن مے نے ڈمڈے اٲنے رٲ کا ٲیگام ٲاڈو یا یا اور مے نے ڈمڈاری

لَكُمْ وَلَكِنْ لَا تُحِبُّونَ النَّصِيحِينَ ﴿۷۹﴾ وَلَوْ طَا

ٲیرٲوا ڈی کی، ڈیکن ڈم ٲیرٲوا ڈی کرنے والوں سے مڈٲٲ نڈی رٲتے ڈے۔ اور ڈوٹ (اقلیدیسسلاام) کو (مہجہ

إِذْ قَالَ لِقَوْمِهِ أَتَأْتُونَ الْفَاحِشَةَ مَا سَبَقَكُمْ

ڈٲ کے اڈڈوں نے اٲنی کؤم سے ڈرما یا کھا ڈم ڈے ڈیا ڈرے ڈے، اےسی ڈے ڈیا ڈ

بِهَا مِنْ أَحَدٍ مِنَ الْعَالَمِينَ ﴿۸۰﴾ إِنَّكُمْ لَتَأْتُونَ

ڈو ڈمام ڈاڈان والوں مے سے کیسی نے ڈم سے ٲے ڈلے نڈی کی? کے مرڈوں کے ٲاس آاتے ڈے

الرِّجَالَ شَهْوَةً مِّنْ دُونِ النِّسَاءِ ۗ بَلْ أَنْتُمْ قَوْمٌ

شاڈوت کے مارے اور ڈوں کو ڈوڈ کر کے۔ بڈکے ڈم اےسی کؤم ڈے ڈو

مُسرِفُونَ ﴿۸۱﴾ وَمَا كَانَ جَوَابَ قَوْمِهِ إِلَّا أَنْ قَالُوا

ڈڈ سے ڈااٲوڈ کرتی ڈے۔ اور ان کی کؤم کا ڈواٲ نڈی ڈا مڈر یے کے اڈڈوں نے کھا کے

أَخْرِجُوهُمْ مِّنْ قَرْيَتِكُمْ ۗ إِنَّهُمْ أَنَاسٌ يَّتَطَهَّرُونَ ﴿۸۲﴾

ڈن کو نکال ڈو اٲنی بستی سے۔ ڈس ڈیے کے یے اےسے لوگ ہیں ڈو ٲاکٲاڈا بننا یااڈتے ہیں۔ ڈیر ڈم نے

فَأَجْيِبْنَهُ وَأَهْلَهُ إِلَّا امْرَأَتَهُ ۗ كَانَتْ مِنَ الْغَابِرِينَ ﴿۸۳﴾

ان کو اور ان کے ڈر والوں کو نڈاٹ ڈی مڈر ان کی بیوی، ڈو ڈلاک ڈو نے والوں مے سے ڈے گڈ۔

وَ أَمْطَرْنَا عَلَيْهِمْ مَطَرًا ط فَانظُرْ كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ

और हम ने उन पर पथरों की बारिश बरसाई. फिर आप देखिये के मुजरिमों का अन्जाम

الْجُرْمِينَ ﴿٨٠﴾ وَإِلَىٰ مَدْيَنَ أَخَاهُمْ شُعَيْبًا ط قَالَ

कैसा हुआ. और मद्यन वालों की तरफ उन के भाई शुअैब (अलैडिस्सलाम) को भेजा. शुअैब (अलैडिस्सलाम) ने कहा

يَقَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ مِنِّ إِلَهِ غَيْرُهُ ط قَدْ

मे मेरी कौम! अल्लाह की ईबादत करो, तुम्हारे लिये उस के अलावा कोई माबूद नहीं. यकीनन

جَاءَتْكُمْ بَيِّنَةٌ مِّن رَّبِّكُمْ فَأَوْفُوا الْكَيْلَ

तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ से रोशन मोअजिजा आ चुका, तो नाप और तोल को पूरा

وَالْمِيزَانَ وَلَا تَبْخُسُوا النَّاسَ أَشْيَاءَهُمْ وَلَا تَفْسِدُوا

पूरा हो और लोगों को उन की चीजों कम कर के मत हो और जमीन में इसाद

فِي الْأَرْضِ بَعْدَ إِصْلَاحِهَا ط ذَلِكَ خَيْرٌ لَّكُمْ

मत डैलाओ उस की ईस्लाह के बाद. ये तुम्हारे लिये बेहतर है

إِن كُنْتُمْ مُّؤْمِنِينَ ﴿٨١﴾ وَلَا تَقْعُدُوا بِكُلِّ

अगर तुम मोमिन हो. और हर रास्ते पर

صِرَاطٍ تُوعِدُونَ وَ تَصُدُّونَ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ

मत बैठो के तुम डराओ और रोको अल्लाह के रास्ते से उन लोगों को

مَنْ آمَنَ بِهِ وَ تَبْغُونَهَا عِوَجًا ۚ وَادْكُرُوا إِذْ

जो अल्लाह पर ईमान लाये हैं और तुम उस में कल्ल तलाश करते हो. और तुम याद करो

كُنْتُمْ قَلِيلًا فَكَثَّرَكُم ۖ وَانظُرُوا كَيْفَ كَانَ

जब के तुम थोडे थे, फिर अल्लाह ने तुम्हें जयादा किया. और देखो के इसाद डैलाने

عَاقِبَةُ الْمُفْسِدِينَ ﴿٨٢﴾ وَإِنْ كَانَ طَآئِفَةٌ مِّنْكُمْ

वालों का अन्जाम कैसा हुआ? और यकीनन तुम में से अक जमाअत

آمَنُوا بِالَّذِي أُرْسِلْتُ بِهِ وَطَآئِفَةٌ لَّمْ يُؤْمِنُوا

ईमान लाई उस पर जिस को दे कर मैं भेजा गया हूं और अक जमाअत ईमान नहीं लाई, तो तुम

فَاصْبِرُوا حَتَّىٰ يَحْكُمَ اللَّهُ بَيْنَنَا ۚ وَهُوَ خَيْرُ الْحَاكِمِينَ ﴿٨٣﴾

सब्र करो यहाँ तक के अल्लाह हमारे दरमियान डैसला कर दे. और वो बेहतरीन डैसला करने वाला है.